\*856

### **बीम** ह

# KING'S MESSENGERS,

MY THE

REV. W. ADAMS, M. A.

PRIME, TRANSLATED INTO BENGALL

WHE AN EXTRODUCTION ADAPTED FOR NATIVE READERS,"

SECOND EDITION,-REVISED

CALCUTTA:

BISHOP'S COLLEGE PRESS,

1856.

## नीजिरवाधक रेजिशंका।

#### 

পূর্বকালে হিমালয় শিথার তল্প পার্বতীয় দেশে কতিপয় পালেয় বসতি ছিল! তাঁহারা চৌবিশি রাজা থানে বিখাত ছিলা চত্রিংশতি কুদ্রং রাজে শাসন করিচেন, এবং স্থান্তকতা বরীন হইলেও বছকাল পথান্ত কাপনার্দের নিছত রাজধানীর মধ্যে আধীনতা ভোগ করিয়াছিলেন! তাঁহারা আপনং পরিছিত লাজ কোন করিয়াই সম্বর্ট ছিলেন হ্রেরাং হিন্দুখানপ্ত দেশ লেখান্তরে ছরিং ভ্যানক রাজ্য বিপর্যরাদি অনি ই ঘটনা হইলেও কেমংকারে থাকেন লাই, ফলে তাঁহারা ভারতবর্ষীয় উর্বর ক্ষেত্রেয় মহাপাল দিগের নিরুট হুপরিছিত ছিলেন বা! তাপার ওাঁহারদের মেহাপাল দিগের নিরুট হুপরিছিত ছিলেন বা! তাপার ওাঁহারদের মেহাপার ফ্রেন্টান করিছে প্রঞ্জন হত্যাকে কোন ছিলায় গুরুবার তথাকার রাজ্য হর্ণ করিতে প্রমন্ত হয়েন নাই, আর ঘদিও তথার শিলাময়্ব হ্রিন ভোগ হাজীত অভান্তি বন সম্বাধন কালিত তথাপি মুর্মির পরিছল লাহতর সাধারের পারিত বাদি করিব সাধারের পারিত বাদি করিব সাধারের পারিত বাদির না কেন্সনা সেখানে গ্যানাগ্যম কারিবার স্থান পথ ছিল মা।

উক্ত দৰ্ভিংশতি বাজনভাৱ নতে এক দুপতি সহাপেকা প্ৰবল্ধ প্ৰভাগ এবং ইছিমান ও প্ৰৱদৰ্শী হিজেন তিনি গোৱক আতিকে উভানাত্তৰ প্ৰাক্তমশালী হইতে দেখিয়া উছিল চিজে শস্তা কৰিছে লাগিবেন বে এই বিলিগীয় পোকেরা ক্রমণঃ সর্বত্ত আপনাব্রদের করণান্ত্রী বিজ্ঞান করিবে। ক্রমেণ্ড ক্রান্ত্রা পারে হিনালয়ের ক্রমেণ্ড বাজক তাবং দেশ আপিয়া আপনার্রদের প্রকৃত স্থাপন করিয়াছিল। পারক তংকালে তাহার ব্যানাত্তক হওয়াতে হয় বিলাস বিলাশ ক্রমাতিক বিলাশীয় ক্রমিণ্ডায় বিশ্বক পক্ষ বিলিগীয় ইইয়া

ক্ষিত্ৰ আক্ৰমণ কৰিলৈও তিনি- সুষং তাহারদিগকে দিরাকরণ नाहित्व भावित्वम्, क्वियन देशह कीताह छात्रमाह छानुमा १२८७ ব্যাগিবেন ৷ বাঁছায়া নিজ প্রথেরা সকলোঁ ওাঁহার সমকে গ্রায় क्ष्री। उस सान क्रिश्चितम अदः अहातरम्य भरण मर क्रिश श्रुवींड काशास्त्रा मुखाम म्छाँड एवं माते, त्यसम के विद्यास्थ कुमारबंद अंकिंग पूर्ण धिम, रमष्टे बानकंडे बरमधन इंडेशा बाकाय अवशास्त्र आकामिकाइ कविरव कमर अधानमा किन। केल नद भौजिल्ले महस्र अहें के दल महस्तान दिन हव नामान नहत होटजाह **প্রভাতিক ইয়া<sup>- শ</sup> অভন্ত আমু পৌতের** চারত পোধন পরনের कांशांक बाजनांक्य केनाव क रहिवान विविध शवाय भागाय आरावाणि येषं इतिनी खेर्यए अगड मानाहातमाल छिन दा गर्छ ुम्माह चन्हीह বিস্থা এবং সমাচরণ স্বারা কুলোচভুজ কন্ত ঘল 🐯 🔻 व्यवत वे चात्रस्य हर्णक स्थामजोक्तिक व । रा समाहः विकास बाहारक रक्षेत्रीहे रक्षेत्र। अधिक स्वाकानस्थित । करण दर्भमा क्षेत्रियारहम टाने जामित कनीय नेती विस्नीमं क्ष आठि दल इदिहा हेमना व वहेगार कर ৰাজ্যলোভ পারিপুরণার্থ সমুবান্ করিয়া থৈক ব্যক্ত নিজ্ঞা এছতি ७० विकास तस्य छेक द्यारम यक एक दरवारक। जानामरसद रेमक अरकार प्रकार हिर्म ह कामलकार का अस्यावीय स्थानन थाजानी मेरीनामनात्मद्व भेश उपदान हरेतात्व! अना बं পালিক জাতীয় এক পাঞ্চিত্র বচনত ছাল্যান হালান কবংগাচর हरेंद्रोहिन क्या "दिश्रोंके शहर का"। बार दत और मकत 'বিষয়' বঁচকাল পাইস্ত টিক্সী কাহিছা উন্ত: মরপাতি বিজ এচক क्षिक्रमार्थ अवक स्थार एक्सिकालक केरमान कविरक लागिरकम यिनि ক্রির পৌর্বাক বালিয়ামের বিভায় উসমেশ করিতে পারেন, विश्वरकायो अधिक केरिक केरिक में प्रक्रिया कान घटनाम्य इस माहे रेक्ट्र श्रीमानक देव क्रिकेट्ट क्राजाय नाडी नाम अरु क्रम "मेरिक सोट्यन; किया केरक के इंग्डाब मामा विस्तानी । जानित

चावा अदर विकास कुरशंध दिलान, अवर जनहर वाहिनामक मह्यारम ज्योत तीकि मीकि शश्किकि स्मामम कनिस् विक বয়ক জ্ঞান পারিপক করিবার নামনে বিভার্থী হইছা ক্লাক মন এক হহং অৰ্থ বাবে কপার সম্ভ পার হইকে সাম कांग्राहित्वन, अवर हतवार्ष देश्यक तमा मानात जनावृति विकास कृषि र त्यारकत महन मश्मी किन कहि। मनेन कतिकाविरनेम । क्रिकारण क्रमकारि हिम द्य किनि दिन दिना दिना असामा स्थानिका अकार आरमाशासम श्रमक वरणणी रहेगा कला विके इतेन रामान शकाहर इंडेगाइन अरुवन कार्यान नवशित विवर्त शांखकरक निक्र ध्वीरठ काशिएक प्राञ्चाम कविस्ताम अवद स्वास्त्रका विषेत्र थात्रत व्यवकात खागारम खाउँछाउ व्हेंग्रा केंद्रात स्वीरकात केलरवाकी इंटेरन कारप्तांच कहिरहमा । सनावांच भागी व गुनाप्रक सर्वित जन दर्गायम कलाव दर्गावमा । खील इंडरवंग जंबर विश्लीमस्मान लाख अर्थक कांगनाइ वरणाविष्ठाउ एई ग्राह्म अहे क्यानिषा अकुत्र फिल्ड तांक्युकारत्व डेलस्ममक हरेरत योकाह कवित्रास । শাস্ত্রা হোলাভিত বিভারত কুলারের সমঙ্গে প্রকাশ করিছে নিজ वर्षेटम अञ्चूमात् काहारक हमरक्ज वागर इर्प्स व्यवश्विक गानिस्मन हेउँदराजीए कार्यन, नगर लगते विद्यासाह हैति। খাভিশয় সম্পোভাকৰ হইয়াছে জগমাথ সেই সকল বিভা ক্রিনিন্ कहिएक व्यक्तिकाम । कारिकास के एमक विकार कर महाम कर किर्माद्याध ভধাইতে মন্ত ভাইলেন যে অভি প্রবাঢ় বিভা এবং কর্মান্ত্রতা वास्तित रक्षण जाहारकरे शक्ष महत्र शांष रह ना, महाहित क्कोल बाक्षिक लगार्थ ददर शताक्ष्म सरम् भा, मन्द्री में स्थित क्रिक्टिना शावित्व महत्त्व मान हत्र मन्त्र

स्वाधाय माजी वासकूमांद्रक क्षेत्रीक विरक्षां व्यक्ति स्वाधीय विषय स्वाधानाक विद्याम शांद्र श्रीवृत्तिक प्रकार व्यक्ति विद्यालय क्षेत्र क्षेत्र विद्यालय क्षेत्र करने विकित्य करिएनन सुर्वेद पेटिशासन सरक्षेट्रे विद्यालयन करने विकित्य करिएनन, कन्नम ना द्यालन का कार्गानिका भोता कुनारंत्र मरन खेलमर महान खेल्ला कराविष्ठा कर्नाटे मिकि कार्गाद्वा कान्यक ने केलामन कुनान नागर्थ देवम कान्यक मान किलानक कार्गाम खेल्लास्ट्य एल्लाल्ला वह बाता कार्याद मान द्येश कार्गाम खेल्लास्ट्य एल्लाल्ला वह बाता कार्याद मान द्येश कार्गाम खेलाए कर्म कुन्न जोटा जाकार विदि निर्देश कार्मा स्वार्थाका खेलाए कर्म सुनि क्रिक्ट लाइन । कर्माम क्रिक्ट कार्गामका खालाका कार्गाम क्रिक्ट कार्गाम क्रिक्ट मानविष्ठ मानखरन कार्गामक क्रम क्रांस्ट्र कार्गामक क्रांस मानखरन

া এক বিষয় সংখ্যা কাৰতে হাজনুমাৰতে লিভিয়া বেশের রাজা
বিষয়ন পাই কাৰতে হইজা, কিশ্য এলাচাৰেলিয়া এমত
বিশাহ হইয়াজিলন বে মত সভাগির লাসাল সকল বেচেই
আন্তাহ সংসাহত কৰিব ভাইল
আন্তাহ সংগ্রহ ইয়াজে ওখালি বিভাইছ সভাগি কার কালে
কাল্যার ভাগ ধনী এই সভ সংসাহত কাৰ্য হাতক।
কাল্যার ভাগ ধনী এই সভ সংগ্রহ ইয়ালা ভালা
কাল্যার বিভাগ ইতিলা বলালা বিশাহত বার্যা বেল
কাল্যার বিভাগ ইটিয়া কাহিলেন "সামান্ত বার্যা বেল
কাল্যার বিভাগ কাল্যার কাহিলেন "সামান্ত বার্যা। বেল
কাল্যার বার্যালা কাল্যার কাহিলেন "সামান্ত বার্যা। বেল

विशासक सिरोधिक इंद्रेश एका करियान '' यह मन्सांक स्टायन कान्य के देख भारत चुटि कि छ छेख्यातार हा करायन जारस्का कार्य के क्या विद्यास हम सिराधिक कार्याम महिल्ल कार्यका । विधायमारम कार्यम मयाख इंद्रेश राज्यमात महिल्ल किर्यका महिल्लम सि जन्मर मिल छ्यानासमस्य क्रमी विख-कार्यका के स्थाप स्थाप करायेसा स्थाप करूम । क्यांका क्रमी विख-कार्यका के साम स्थाप करायेसा स्थाप करूम । क्यांका क्रमी स्थाप कार्यका के साम स्थाप कार्यका स्थाप स्थाप स्थाप कार्यका के साम स्थाप कार्यका स्थाप स्थाप

# রাজ দুত।

#### क्षांथम मैं शिल्हान ।

ंक ठक्कवर्षि कामीबाउन जात्कात भाष्ट्रमांशाम क्रनांश्वर माधी शहा हिल। वे श्रवी अधि श्रातीन कार्य श्राणिश हा सरवार कान भइकारत (मान्य शतिमाय खरर अंका भर्य)। श्राह्य इंदेश-্ছিল। তব্ৰভ্য পৌৰ তদ আভ কালে বালাৰচ্চাহ **কৰিয়াছি**ল পরিমিত্ত অধীবার তাহার দগকে বন্ধ কহিছা ভাষারমের আঞাচারের চিরস্তারি চিহ্নস্কল এক বিচিত্র নিয়ম স্থাপন করেন, সে নিয়ুক্তর अश्ममं अहे त्व श्रकाननं निर्मिष्ठे लाकाबनात्न भूती इहेत्य विकाप्तिक इहेटर अवर विकायन समस्य महंच शहिलांग कदिहा अक्षाकी समन कतिरव अकारत की नियम मिनीपम विधि माहस क्षिमार्थ इस । अक्षीचन चस्र तम खनस् म्हलान करतन सक्ना-থাকাগাবের গাসভার ছিল না। অলাল্ডক কর কাল বাস ক্রিডে नारेदर जहार निम्हित दिन मा र्राटिम्स म्हन्स्यहे अस्ट इन अकाक्का बागराज जामकाज जेरकतिक शाकित्व हर्देख । भारत त्य व्यक्ति क्ष मर्गस् महत्वह क्षां अ आगत हरेंच मा. आस्त्रस দৰ্মং মাজা পৰ প্ৰাণ্ড চ্ছত, যোৰ হাতির নিকাসন কাল क्रिश्च रहेल जारांत्र विद्युष्टम एक्सर्ग क्वज श्रद्धांत्र लाग्नेस সমাভিতাহারা হইতে পারিত তবপরে মিচ্চাসিত হাতিতে সকল ধুন সম্পত্তিৰ বঞ্চিত হইয়া অৰ পৰিয়াগানস্তৰ নিৰ্বাসনাবস্থাৰ अभावी खमन कहिए हहें ।

क्षणकारत निराणि समगादन माध कथिकांश्म लाक वानिका विमान्य साधक दिस व्यापावक क्षमक स्वाध हरेस्ट शास्त्र स्व ইয়েখিও প্রস্থা প্রচলিত আফাডেড তরারা ন্যানত মন্তর্গী নতত লাবুলচিল্লা নিবং লগতে মৃত্যা কাল থাপান করিত কিন্তু কলে ভাষারা
চারণে হিল্লত স্থান কৈ কোন প্রধান ধনি লাল্যে প্রতি রাজাজাল
প্রচার করিবে লাল্যেগেন মধ্যেই মধনাত্রতা উন্নয় হবীত এবং
নত গ্রুম প্রস্থানির আফায়িক মিলেচকার প্রেম ভামিত বটে কিন্তু
গালারা প্রায় সালা মান্যাতে যুদ্ধ, গুইয়া নিরুপেনে কাল হর্ন
ক্রিড প্রায় গেল্ডা আল্লেখন নালাক ক্রিড প্রান্তিনে প্রতি বৈধি
ম্যানাক ধনের প্রেক্তি ভারেজ লাল্যে নিরুপে প্রান্তিনের কই
ক্রমাজনা আল্যাভ্যন স্থানক ব্যাস প্রতি পাত্রে প্রস্তু
ক্রমাজনা আল্যাভ্যন স্থানক ব্যাস প্রতি পাত্রে প্রস্তু
ক্রমাজনা আল্যাভ্যন স্থানক বিশ্বাক স্থান্ত ইন্যাভিল ক্রমান নালাভ্যন সম্পান প্রচারকের বিশ্বাক স্থান্ত ইন্যাভিল ক্রমান নালাভ্যন সম্পান প্রচারকার বিশ্বাক স্থান্ত ইন্যাভিল ক্রমান নাল্যাভ সম্পান প্রায় করিত আহ্বান মধ্যেত ভালা সম্পূন্তলে প্রান্তিন স্থানিত ব্

নি হাৰ্যন্ত কাৰণৰ সং বিষয়ে এইজাৰ নিন্দিন্ত থাকিছে প্ৰান্তিয়ে কাল্যানিকে কৰিছে সংগ্ৰহাৰ মহল কৈছে বিষয়ে বিষয়ে কাল্যানিক কৰিছে বা প্ৰান্ত কৰিছে কৰিছে বা প্ৰান্ত কৰিছে বা কৰি

তাবং গ্রন্থা কেখা নিশ্বরোজন, ধনাতা বনিক্রিবিশর আতি হৈ নতুম নির্মিট ইইয়াতিশ বক্ষায়ান ইতিহাসে ভাষবরণ একাশ ধার্টবে।

इन्एया मनास्य काक्रमाध्यम् कीर्तिकाम एएर्गम ६ एर्टका ালে ভাষ্চ এইর যাস করিত। ভাহারদের পিশা অরী চাইতে मकाशिक इंडेटल विग्रान्याम भूद्ध शाहार वर्षेयाचित वर्षेयाम विद्युरम अधारे निभारत त्या त्या । पिकामिक मिल्स् অভিনয় ক্ষমান্তে বিশ্বেল বিশ্ব স্কল্প কৰিণ্ডাতিৰেন ক্ষেত্ৰপ্ৰাক मध्य राज्य भीतक क्षत्रकारीतार ब्याचार अथवा हुए,क्रमातन स्टब ्या पश्चित नगर्भ प्रवेश्यम मा अख्यार देशिय मखाम्बरा हाँगी। ছ পি: - নিম্নের অধিকার প্রস্থ চইল ৷ অসভা জ্যোতা প্ৰতে বিষয় বিভাগাতে সমাৰে একল কট্টা যে **মাৰ সভা কৰি**ছ होंगा क्याँ । महस्र इंक्सरमा अधिक र दिल, कार्युक श्रेष्ठ कृषि क्यांन कारण 'दारदामिक, डेलॉन छात्र साहच र राज साविका कार्य महरद काल्माकिक उत्तर ज्यार हक्केरम्य विवासमाध रुपास ग्राह भारित वालाएक किया । जानिय स्टब्स हरे नाएक विक्रिय र सुब माफिनमा क मालग्र मिरक श्रेकां के कार्याच किया एकति। श्रीकार्याः দলের সমান্ত বস্ত্র অক্ষাবরতাশ লক্ষ্য ভটিত 😲 সংক্ষাব্রণার সন্মুখনাইছ रेडिटर जब हर प्राव किस टाइटर ब्रह्म मध्य स विद्या হুতাদির প্রাতিবিহু দেশা মাইতে 1 किय जारह उनेय कराष्ट्रम केष्यम् भाष्ट्रेया । विषयः समय हर्ने अ

ित्य जाएए उनेस कराइम क्षेत्र्य भारेसाछ विषय असम तनेन कर्मना शिंड द्याराध्य प्रश्चवित्र भारते द्याख वम अम्मान्ध्य म्डासिव एडडार याद० इटेन, एएएडा सस्य कदिन (व कियूर कान एड सकत्त्वेट यम मन्यादि ए प्रद्राभाग कदिन्य कदिन्य कादिस साहित्र्य गहन कामरम खादण कदिन्छ हरेराक ।

কাহার। এই প্রকার ভাষনায় জাগুল হছতে লাগিল, নির্বাসন বিধির বিষয় ভাব প্রবে ভারারদের এমত অসহ বোধ হয় নাই। ই নিয়দের বার্তা ভাহারদের কর্মগোচর হইটাছিল বটে কেমলা रमान श्लीत कम जिवसम् कानिक किश ना किश अब कान भर्मां जारा इरंगम् राम रहेज मम्मूर्ज मिकवेश रहणार जाराइस्तर जाराज मम्मूर्न मनः महिक्स रहेन। काउन्य काश्रम स्थानात जाराज्य श्राचन किश्रमान कार्या मकरणित मरन जारम भारिकाण किसाहित, यथा जिनि कहिस्सन " এक हानीकृष्ठ धन सानार जेलकात कि? श्रमुक्त काम जेलिश्व हरेटन हैशार कामरहास क्षक प्रस्तु निधासक कमा श्रास हर्या धारेरवक मा कार्याय क्षक प्रस्तु निधासक कमा श्रास हर्या धारेरवक मा कार्याय कार्याय कार्याय स्वाम कार्याय कार्य कार्याय कार्याय

ভাঁহার এই বাস্ত সমাপ্ত না হইতেই হারের এক পার্দ্ধে যে

দর্শক ছিল ভাইতে ইউপাত হইল এবং সেই মুকুর মধ্যে কোন

ক্রম ছার্ট্র আন্তা প্রকাশ পাইতে আগিল, পরস্ত গ্রহ্ গঞ্জে

ক্রম ছার্ট্র আন্তা প্রকাশ পাইতে আগিল, পরস্ত গ্রহ্ গঞ্জে

করিয়া অগ্রন মহার গগতে তদর্শন করিতে সংগ্রুত করিলেন পরে
ভাঁহার্দের মুখ লান হওয়াতে বোধ হইল যে তাহারাও উঠা ইটি
করিয়াছিল। ঐ মূর্ত্তি এক হল প্রকাশের আকার এমত প্রতিশ্রমান

ইউতে আগিল তাহার কপে ভ্রানক ছিল না কিন্তু ভাহার উপন্থিতি

থাত্রে মুকুর মন্থান্তি অভান্ত প্রতিবিদ্ধ সকলের কপানর চুইল।

তিমি স্থান কলাতে পালাপন করাতে তাহা তৎক্ষণাৎ লক্ষ্মীভূত হুইরা

গেল, এবং এক গল দন্ত নির্দিত মেল ভাহার পারিধের বসনাঞ্চল

শর্ম মাতে চুর্গ হইল, অপর বাণিত্য দ্রহাত মান মানিকানি সকল
ভাহান্ত ইচিপথে পাতিত হুইয়া তৎক্ষণাৎ নিস্পৃত হুইল।

ভাষ চতুইয় এই সকল ঘুল্কাণ দশ্যে অহাত ভয়াৰ্ভ হইবেন, ভাল্যদের অগ্রন্ধ সহসা ধনজাগ করিকে বাসনা করিয়াছিলেন ভাল্যদের অগ্রন্ধ সংকারে লাগিলেন কেন্দা তিনি অহাত ব্যক্তি অলাকা হইল ছবি এই আশকা হইল ছবি এই আশকা হইল ছবি এই আশকা করিবে আশকা করিবেন লাকাছিক কুনির ভাব প্রভাষ করিবেন লাকাছিক কুনির ভাব প্রভাষ করিবেন লা

सभद स्वरमाय काराइटमंद्र में स्वरंग दाय हरें ये एम चर्कूर निश्च हक प्रकृष काराइटमंद्र में राष्ट्रांचन करूक काराइटमं " ए वर्गान दिवास कर काराइटमं कर काराइटमं कर काराइटमं कर काराइटमं काराइटमं हों। अहे जहन मण्डित व्याद्य काराइटमं क

व्यादमन वहें मकन कथा व्यादन कृतियां शूर्वारणका व्यक्ति हैं रहें निर्देश कान्यवादम्य शुर्वारण क्याद क्याद स्थान क्रिन बाहे रव व्यक्ति व्यक्ति क्याद स्थान क्रिन बाहे रव व्यक्ति व्यक्ति क्याद स्थान क्याद क्

'' তোমনা শক্ষা করিও লা, জামি ভোমার্দিগতে এইকনে কর্ম ত নশান্তিকে বঞ্জিত করিতে আগমন করি নাই, কির্থকাল গাইর রাজাজা ব্যুল পুনক এখানে প্রফালমন করি বাট কিছ কভোলে অভক থানিক মা, তর্মন জোমরা আমাতে সাক্ষাণ দর্শন ও আর্শন করিতে সার্ম ইইবা। সম্পুতি পুর ইইতে আমার রব জোমারনের কর্মগোচর ইইতেছে এবং আমার প্রতিবিশ্ব মাতে লোমারনের কর্মগোচর ইইতেছে এবং আমার প্রতিবিশ্ব মাতে লোমারনের কর্ম সাধিকর ইইয়াহে কথানি অধাতরের নৌতা তিন্ধা সম্পাধনার্ম আলাহক উপাধিত আগিক। ভোমরা অসংবার ধন রাজা করিছারি এই ক্ষের ভারতে বাসলা করিটোকন ক্ষিত্র

আমি অভ্যাতিও পূর্বেই ভোমার্মিগকৈ জ্ঞাপন করিয়াভি যে গো व्याणाळक त्य र धम मन्यांचि त्याना कवित्यह है हा त्याणाइत्य विव नहर, देशत संयोध अधिकादी अधीचत्र, अलंबर किन्छर इहें क्षणीकरवृत्र शुल काया अंडे नमख सम डीहाक निरुष्टि । शुरूप कर कार्यात्राप्तव कर्षाच । कार्याचात्र विकास समित् काहा colar अस्पर निर्मः मक्ष करिया गथिराम अर् जन्मारा छोमद्रो नद्रीम उने निकांतिक इरेग ७थन हिमि अक भव्य व्यनीय मनशास्त्र जा। मखारमङ्ग्रसङ् ममिखिणाङ्गरङ रहामान्तिमस्य साथ क्षेत्रर मिर्ट शिकारम मिनानम विकित काम श्रम्भ माहि किस भावताम । दिष्ठ छ शासाम साक जाकि काशासास विकर्ते लकाम सरिया তাহাতে অবছেলা করিও না এবং অধীতা তোলারদৈণের সনীচ মে প্ৰৱাশি গাঁহত করিয়া বাথিয়াছেন তালা অলায় কর केशिएक व्यवस्था करिय सा रक्षमा पामिष्टापद भीमचं वा कत्रियां कवना नामीक्ठनरम क्षण्य मध्य प्राविष्यं त्रावन गैठ ध्वनीनरक जे न्यव अमेरिक वित्र विश्व विश्व विश्व असाहरी जिकिन अध मक्ष रहेरव न। ५८९ ८७ई शहर देवनीई नगई confice countries of the further affects t

রদ্ধ থাকন হেং প্রবোধনাত প্রচাব করিলেন নাই কর্মানর
নের পাক্ষে গতাংপর্য আনিচত ছিল না কেন্দা কর্মা প্রান্তিন
প্রান্ত ও সেই নিয়ম উপেকার ভয়ানত কল নগরী মতে বিশেষ
করেপ প্রকাশিত ছিল কিন্তু প্রেরাসিগণ ধন লোভ বন্ধা রাজীত
প্রতিশালনে গৈথিক করিত একারণ পরশারের সমতে বিশ্বিত
প্রান্ত করিত গালিত হছত, নতা পূর্বে ভাছচত্ত্রীয়ের কর্ম
ক্ষেত্রতা করিত বছত, নতা পূর্বে ভাছচত্ত্রীয়ের কর্ম
ক্ষেত্রতা করিত বছত গোলার সিক্ষাতা প্রকৃত্ত ইন্দ্রের ক্ষ্মী প্রবা
প্রথম তাহারা ক্ষেত্রতা প্রকাশিক কর্মানত কর্মানিক কর্মানিক কর্মানিক ক্ষ্মীতার কর্মানিক ক্ষ্মীতার ক্ষ্মী

तमस्य कि खोकारत यस मन्यांच ध्यातम करिए इन्हें र जातात छंता।
लेखाना करिए ठारातस्त्र, मर्छ कातात्रछ माएम इन्हें मा शत्रख अधिक कार्याद निमिष्ट मर्म्माइया इन्हें सिल मा। स्टिं के क क्रेसारक या विकासम्बद्धमार वासि माध्याप्य था धार्य एशिए स्पृत्त श्रीविदिया क्षेम्माइया थे इस ब्यालयात श्रीविद्धि महे वर्षाविद्धाय कार्यात विकास कतारक राम क्षेमाइया क्षाविद्धार कार्यातस्थ श्रीविद्धाय कार्यात हिसास करारक राम क्षाविद्धा क्षाविद्धा

ने थार्जिमूर्छि य दिख जर्जुलि निर्दर्भ कविद्राद्यि स्वेहितक स्वय-भार कहारण विभिन्न जमग्रामंत्र त्यांच क्रेंग रथम खाहाहरमञ्ज मरमार्थ হেলার পথ নত্তিধ দরিতা ও কয় লোক ছারা তাপ্ত হইনাছে ও দাৰ ৰাজ দীৰ দৰিও লোক সকল সে স্তলে উপাত্ত হউয়াছে गरावास्त्र मध्य ८०२२ त्यम सूचा कावतनात केवल आहे व्हेम हिंद्राष्ट्र वागर एकरेगांकि होने मिष्ठ मनवा त्यम (यह सर्व महत् ात्य दिल्लिक आहर । व्यविक्य दे इक यक द्व ल्बाई अमृति विदर्जन करिएसन एउसे प्रश्नीतक से क्षानाब जान मर्काह केवांबा-हुत् रिक्त धर्म इंडेटल क्षामिल धनर व्यवस्थारम खेलाई छ स्मीसारकाई টকুলার ঘটিপথে রহিল না, হয়ং যত প্রব্পর্যন্ত চম্মুঃপাত সভাক शाहि मन्य दिक्क क्षामक प्रस्थित न्याविक्षात क्षेत्र प्रदेश क्षाक्र तंत्रदश्च न्यान्य स्वयं सावित्यदारक व्यार्खमान क शिद्ध मार्रहीन निष्ठांत्रं क्ष्मच नम उथा कारीको जी स्मारक्ष्मिस्मात विकास कर मक्ष प्रथान महिमानमारक लाम कालम महिमा । भागत यह स्पन् राहाकात होने स्विक के क्लामार्थ मध्य शरकत राक एनक जार रबसेरपूर करिएगारम इहेगा हरशास अस्तम करिए गानाम । अथा 👵

वह जनक मकि कर वडाइन आहरताई जनीपाउन हुंब राजा वह जरवाक इनेट्यन करूज मा जाजिया जातका छाउँ क्यां जिल्ला कार्या करें क्यांकिक न्हेंट्य रेशांत्रक अहि इस्रोज कार्या इन जन्मीय समर्थन कार्या क्यांकि स्थानित ज्ञांका থাকিবে না, ইছারাই ব সম্পান্ত ভোলারদের নিবিছ হাল ভ্রমে করনা ঘাইছে। সেখানে যাইবার পথ অভি রুর ও জুর্না কিছ সরল মনে যদি অর্থ প্রের্থ করিতে অভিগ্রায় কর করে নার্থাশ্বর সত্তে কোন প্রকারে ভালার অপচয় সম্ভাবনা নাই, কেবল ত্রগণকে নগরী সচ্চে বিলম্ম করিতে দিও না এবং ভালারদিগতে গোপনে বিদায় করিও কেবনা রাজার শক্রেবর্গ ভানিতে পারিখে ক্রেব্রেন্ত্র গড় করিবে।"

. यहे मरून बद्धा मगांच इहेता गांव बरक्त शिल्पृष्टि व्यवहिंड হুইঅ এবং তাহার উপাধ্যার জোন চিহ্নুত অবশিশু চহিল না ৷ शक्कास्त्रम् स्मक ७ स्टर्नम् स्त्र क्या मानिस अमृत काराम् नः भार्य दिक्कण हरियाहिक अकरन छ। हाह प्रस्तुनीसन **धनक** विकास क सदारना जाविक इतेया शूर्व स्मोन्यर्थ श्राप्त इतेया, आह क्यू स्टेट्स्ट्र वि वित्र वित्र विकास क्षेत्र । विकि स्टूर्व केश्वरहा काम् दकाम मोद्वामाज्यिक तमहिल हमेश नक्नलंड स्वृत्ताकियाथ वित्र हार्गि कविशादिक्य अरेकान धारव कथुणाचं निशेकन महिंदी अस्टिक्य त्व त्कान भवावंते समायत हुए बारे, इन्हें कारूब विका वाह्मक नहार्थन कविकाधानक चाहे जनाए हेस्स एनान छिट्ट ज्यात होस. গোচর হয় বা ৷ অবভার তাত্রির বাজায়নাভি**য়**ৰে ব**লিশা**ছ वारिया व्यक्तिम व्य काल श्राप्त त्याक मनुष् श्रमें कर ुप्तमानामम ভরিতেছে অব্ রুখের শোভার জন্তবা পন্য মেতে পরিপ্রার শক্তির বিভিন্ন বৈলক্ষ্য হয় নাই, দৰ্গতে যে কন্তুত আৰু ব্ৰীকৃতিন তাহারও কোন চিত্র নাই কেবৰ দৈবক্রমে কছক ভারি বিজ্ঞান केशाइक त्रहिशाह । काकन क्षिष्ट चित्र दांचु दनवनार्व वाकावाबत रूपांठे डेल्टाडेन कतिया डिक्टूटकरा विकिश कार्य माना सहित्य नाभिन अर: कथन जारात्रास्त्र ग्रह प्राप्त कर शामिक लाइन विस्तु इट्रेन ना कमला शुरदाक अभविद्या प्रस्त कथा काश्यकः मारम काराक थाजार करें क्षाचीप व्हेरक बारिक कि महिल मिन्नारे पारीपात हरू।

### षिठोश शिक्षात्रम ।

ভাষত চতুষ্টা হজের প্রবোদ বাকে বিষয় চইয়াছিলেন অভএষ
ভাইটা বিষয় বিভাগে বিরত ইইয়া সমস্ত সম্পত্তি একর রাপা
প্রেয় জ্ঞান করত চাচা ধাচাতে ক্ষরীশ্বরের নিকট সহজে প্রেটিড
ছুড় এমত উপায় চিন্তাতে একদা ছাপ্তত ইইলেন কিন্তু প্রশানাধি
মতের অনৈক্য হওয়াতে কোন উপায় স্থির ইইল না পরে নামা
তর্ক বিতর্ক উপস্থিত হওয়াতে ক্রমণা আগ অভিপ্রায়ের বংকিঞ্চিৎ
বৈস্কেপ্ত ইইতে জাগিল স্বভরাং শেয়ে অপরিচিত বস্তু পরেবের
মান্ত্র অস্পত্তি বোর ইইল এবং ধন সম্পত্তির প্রতিবিদ্ধানিক
মঠল জাগিল অভএম প্রথমে পৈত্রত সম্পত্তি চতুরংগে বিদ্যাগ
জর্পের যে কম্পনা ইইয়াভিল ভাহাই বলবতা ইইয়া উঠিল এবং
সকলে আপন্ত অংশ প্রতণ করিয়া ব্যক্তামতে হার করা মন্তর্কর
বোধ করিলেন।

অনন্তর কাঞ্চনভিয়ের প্রতি বিষয় বিভাগের ভারাপন হথয়াতে তিনি আপানি কত অংশ এছণ করিবেন ইহার গ্রানায় বছ কাঞ্চন করিবেন, ইতিমন্তে রাজহুত্যান উপত্তিত হইয়া ভুছোছয় যাজ্রা করত তাহার কার্ছে আযাত করিতে লাগিল কিন্তু ভারার্ডেন্ড আবেদনে কোন কল দশিল না। তাহারদের সকলকেই জিনি এইমাত্র উত্তর প্রদান করিবেনন মে পৈছক বিষয় বিভাগ না ছিলে রাজসদন্তর প্রেরিত হঠবে না।

्यनरमारव विकारित मार्था इराहार कार्यका काक्ष्मिक्षित्वह विकार मार्थाहरूक व्याप्तिक व्याप्तिक व्याप्तिक करें विकार महत्वहरूक व्यार्थिक व्याप्तिक व्याप्तिक विकार विकारित অধিক কাল অবস্থিতি করণের সম্ভাবনা না অফিতে প্রয়েতের অংশু বিপাল বোধ চইতে আগিল, পরে সকলেই সেজাছাসাল আলিক কার্ড সাধন করিতে গ্রন্থক চেইলেন ৷ সম্পুতি তাহারনের উপাধ্যান সংক্ষেপ বর্ণনা করা ঘাইতেছে !

ক্ষেত্ৰ প্ৰিয় যে কেবল প্ৰৱেছিল হছেব উপাদেশ বিশ্বুত্
ইইবাভিলেন এমত নতে বিজ উক্ত সংবৃত্তি যে গ্ৰহুত্ব
চলিত ভিল পাহাও উহার স্বৃতিপথে চহিল মা ভাত্রত তিনি
স্কল ক্ষিয়াতেই উন্দ স্বস্থান ইংশ্রালাভার কালিতে লাগিলেন
ক্ষেত্র থেনাওছই উন্নিয় অভিনেত্র হুইলা তিনি গ্রন্ত স্বচানের
হলে কিঞ্চিলাত্র করিছে বিরুত হুইরা কেবল প্রকৃত্তির
মনোরপ্রেনার্থ প্রয় করিছে বিরুত হুইরা কেবল প্রকৃত্তির
মনোরপ্রেনার প্রাণ্ড প্রান্ত হুইনেল এই উন্নিতির প্রথ সাক্ষাণ বিন্তর্জন
করিয়া বালিতে প্রথম হুইনেল এই উন্নিতির প্রথ সাক্ষাণ বিন্তর্জন
করিয়া বালিতে প্রথম হুইনেল এই উন্নিতর প্রথ সাক্ষাণ বিন্তর্জন
করিয়া বালিতে প্রথম হুইনেল এই উন্নিতর প্রথ সাক্ষাণ বিন্তর্জন
করিয়া বালিতে প্রথম হুইনেল করিয়া সাত্রন কর্মান ব্যালিত বন
ক্ষান্তির প্রবহন করিয়া করিয়া সাত্রন ক্ষান্তর্জন করি বন
ক্ষান্তির বিক্রমণ্ড করেশ করিয়া সাত্রনার স্ক্রান্তর্জন করিয়া না
সকল বিষয় সম্পূর্ণ রূপে করেগত থাকিকেন্ত ধন লক্ষার উন্নিয়া
করিতি মানে ইইল না।

গুৰে উক্ত ছই য়াছে যে জগংখার নাসিখন প্রচলিত মির্থাসন থিনি বিষ্ণুত হটয়। কলে যাপন কবিত কিল কাঞ্চন গ্রিয়ের ঐ কংগ শ্বনার দর্শন করিয়া জাবিহেন্দ জাক্ষানা চমংক্ত হটয়া বোহ কবিচ নে তিনি কুলি কোন নাহা মোহনে বন্ধ হইয়া থাকিবেদ ক্তরাং ল নগ্রী গগ্রে এই কেশ প্রবাদ হইয়াছিল যথা

লত পৰিকেই বাটিই প্ৰাণ্ডে এক নিছত পৰ্যাক্ত ছিল কাঞ্চনপ্ৰিপ্ত মহোগৰ গাণেৱ অক্তাতসাত্তে আপানি তাহায় অধিকায়ী চইছা ছিলেছ ৷ এ প্ৰান্তিৰ মতে এক যাক বাস কৰিত সেই স্বাপ্ত কাজনাব্যাক বাসা প্ৰায়ালী দিয়া হয় কৰিবাছিল কাজনাব্যাক বাসাক্ষিকাশ ও খেচত অক্তাৰ সাহিত মিলভাতে আন্তর খানানি কর্ম নির্বাহ করিয়াছিলেন কিন্তু অবশেষ ঘক্ষ মুণ্ট্যুন করিবার ছলে ঐ আকরকে তিনিয়াছত কার্ণাারকৈ ছবিয়া কাঞ্চনপ্রিয়ের হস্ত পাদাদি অবর্ণময় ছম্মলে নত্ত করিল। তিনি কার্ডিক হইলে যক্ষ কহিল যে ভূমি আনার দাদত স্থান্তার ছবিয়া অবিবত প্রতন্ধ রন্তাদি আহ্রেন পূর্বক আকরের মধ্যে মান্ত্রক করিছে প্রতিশ্রুত না ইইলে আমি তোমাকে লোকাল্যে মান্ত করিছে প্রতিশ্রুত না ইইলে আমি তোমাকে লোকাল্যে মান্ত করিছে প্রতিশ্রুত না ইইলে আমি তোমাকে লোকাল্যে মান্ত করিছে লিব না। প্রেরাগি গণ সমানে একথাত প্রচার ইয়াভিল যে তাহার সম্ভ উক্ত স্থান্তাল হউতে কোন কালে মুক্ত য় নাই। যদিও সে প্রভাল চক্ষুত্র মণোচর ছিল বিজ্ঞা লার স্থান্তিরের লগতে ও ভ্রমন্ত বিষক্তর ভারিতে স্পান্ত বোধ হিল্ল স্থান্তিরের লগতের ভারে গ্রামন কালে ভাহার পাল্লবিক্ষেশা গ্রিত। ফলস্থ স্থান্তলের ভারে গ্রামন কালে ভাহার পাল্লবিক্ষেশা গ্রিত।

क्रमणि, हाक्निविज्ञः साम्बद्धाः स्थापन्त । ४८१ स्थापन् निर्देशः क्रमः सा लगास्त्रस्य सामद्रशास्त्र । আগিলেন ৷ তিনি নির্দ্ধ প্রত্বর কার্য্য সাধান্য প্রাত্ত কার্য্য করের তাংশী হুই পরিপ্রেন করিয়াও প্রনের কলের তাংশী হুই পারিলেন না, কেননা দিবাভাগে ক্লেন ও কর্ট ভোগে জারজনীযোগে চ্টাবনা এবং চিন্তায় ফাল হরণ করিতে হুইত, তি প্রেনাদিগণের সহিত কোন আমোদ করিতে কিছা বজুবর্গের প্রাক্ষাতিশ্য করিছে অথবা আম পরিজনের সহিত সদালাকরিছে এক ঘটিলা কালের নিমিন্তও অবকাশ প্রাপ্ত হুইতেন ন প্রিক্তিয় কলেন করিত স্বক্ষণ ভাগকে পরিভ্র্যায় নিয় রাখা পর্যাশ সিদ্ধ স্থাপ্ত স্বল্প করিলায় এবং অপকৃষ্
রাখা পর্যাশ সিদ্ধ স্থাপ্ত আলিল নির্দ্ধ করিলায় এবং অপকৃষ্
কার্যের ভারাপণি করিত। কোন নালককে এইক্ষণ অসংখ্
কার্যের ভারাপণি করিত। কোন নালককে এইক্ষণ অসংখ্
কার্যের ভারাপণ করি বাব্যার ব্যারণ করিয়া ক্রকাছ হুইলো
ভার্যের ভারাপ করি বাব্যার স্বাত্ত পরিয়া ক্রকাছ হুইলো
আন্ধ্রের রাদ্ধি মাত্র হুইত।

উপাংগ্রুক রন্তান্ত্রেও কাঞ্চলপ্রিয়ের হুংখ বর্ণনা পরিস্মান্ত হ না, তিনি গেই হল্প থাক্ষের উপাদেশ নিথা ব্যাল্ড প্রপ্রা করিতে পারেন নাই অথা সর্বান ওলিপারীতাচরন অন্তিনে উচাব মনে বিলক্ষণ প্রান্তি ছিল যে নির্বাসন সমাদ উপাধি কইলে ওল্পিত ধন রাশি কোন কার্প্তে আসিবে মা, তথ্যা রমণীয় নগরীর পরেষার ভারার প্রতি কল্প ইইবে, জাত-বর্ষনান অবস্থার ছাত্রিনা ও রেশের শেষ হইলেও ভারাকে নিনি অরণ্যে দেশও করিতে হইবে! জাপার রাজপ্রতাপকে বিদ্ ফ্রিড দেখিলে ভারার স্থানস্থান উপান্তিত হইত ভারারা ভারার গ রাজভবনে লইয়া রাইবার প্রসন্ধ মার করিত না কেননা ভারা বহুকাল দেখিরা শুনিয়া এই বিরুক্তিয়াছিল যে কাঞ্চনপ্রিয় নিকট কর্ম প্রার্থনা করা বাক্ত জন্ম মার। কাঞ্চনপ্রিয়ও ভারা দের উপান্তে প্রস্তিব ক্ষিত্র করিয়াছিল যে কাঞ্চনপ্রিয় সূপার্থ যার করিতেই অযোগ কাল উত্তীর্ণ ইইয়া যাইত অতরাং, মত্রহুই কণ্ড দাক্ষ করিব এই সক্ষত্প করিতেন।

তেও আতা কাজনপ্রিয় এইরপে অর্থকরত্ব মকের সেরায় ।

দথতে রহিলেন কিন্তু তীহার অন্তক্ষ কীর্তিকাম আন্ত এক তালারে

গরত হইলেন, ইইার হস্ত পর্ণ শুলালে বদ্ধ হয় নাই, হয়ং

দাক্তির ভালমা লাভ মনোহর এবং প্রদার্জ মতে ছিল, ভারার

দার্পণেশ্ব মন্তর্ব লক্ষণ এক ইইড়া কীর্তিকাম গন সম্পত্তির

দার্পণেশ্ব মন্তর্ব লক্ষণ এক ইইড়া কীর্তিকাম গন সম্পত্তির

দার্পণেশ্ব মন্তর্ব লক্ষণ এক ইইড়া কীর্তিকাম গন সম্পত্তির

দার্পণেশ্ব মন্তর্ব লক্ষণ এক ইইড়া কর্মান্তর্ব ভালাকে

ক্ষণিশ্ব আন্তর্ব বেল্ল না করিয়া বরং ক্রমান্তর্ব ক্ষান্তর্ব লক্ষ্মান্তর্ব ক্ষান্তর্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্তর্ব ক্ষান্তর্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র্ব ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্

লগেশ্যনের এক এনেশ কোলাহলাকুল রালবর্ম হইতে বহু ছবে পিতি ছিল. সে হুল রালহুত্বনের আবাস হইতে আর ছরতর, খালার গুহাবলা অতি মনোহর এবং হাশোভিত ছিল, ধনাত। শিকেরা নেই প্রকার অধীলিকা নির্মাণে অভিশন্ত আমোদ করিত, চন্তু ঐ প্রামাদ লয়হ পরশার সমরূপ ছিল লা। নির্মাণ বুগানের সম্পাতি ত মানসিক ভাল এক প্রকার লা হওছাতে হারদের সংকৃতি বিবিধ প্রকার হইয়াছিল। সে সকল প্রামাদ ই জালীয় বলিয়া বিভক্ত হইতে পারে, প্রথম লাতি মানাভ সায় দেহে নির্মিত প্রহক্ত প্রীয়া ছতুতে বিভিন্ন কালের মিন্ত নেজানশ্বর হইত এবং গ্রীয়াবসানে তংপরিবতে অভাত হ সংস্থাপিত হইত কিন্তু ভারাও তক্ষেপ অন্থানী, দিল্লীয় লাভি ভঙ্গ বংসর পর্যন্ত আপনারেনের কার্ডির স্বান্ধ থাকে। প্রথম ভঙ্গ বংসর প্রযন্ত আপনারেনের কার্ডির স্বান্ধ থাকে। প্রথম ভঙ্গ প্রামাদ আন্যোদালয়, দিতীয়া জাতীয় বান্ধোননির নামে খান্ত ছিল। করিতে প্রক্রম এক মশোমনির নির্মাণার্থ স্থার অর্থরাশি ছাকরিতে প্রক্রম ইংলেন, ঐ বিষয়ে তাঁহার মন কলাগ্র হইরাছিল এবং পরেবাদিগণও তাঁহার দেনীয়ে যেসিজতা দর্শনার্থ অভিশ্য বৈংশ্বর প্রকাশ করিয়াছিল, অগংপরের মধ্যে তাহুল মন্দির কথ্য স্থাপিত হয় নাই, তাহার মূল শস্তনের গণ্ডারতা ও ভিত্তির প্রশাস্ত বিষয়ে বিচিত্র গলপ কলিত ইইয়াছিল। প্রবেষ প্রক্রম বিহিত্র গলপ কলিত ইইয়াছিল। প্রবেষ প্রস্তুত বিষরণ ছিল, কোন থানি হইতে প্রস্তুত ইয়াছে ও কোনং নির্মাণ করার ছারা গ্রহ নির্মাণ কর্ইয়াছে ওকানং নির্মাণ করার ছারা গ্রহ নির্মাণ কর্ইয়াছে ওকানং নির্মাণ করার ছারা গ্রহ নির্মাণ কর্ইয়াছে ওকানং বিশ্বন করাল করার ছারা গ্রহ নির্মাণ কর্ইয়াছে ওকাননা ভারতে কালের ক্রান্ত নাম্বর্তিক বিষয়ে বিশ্বন না এবং যদিও এ মন্দিরের উপার্থ্যান প্রবেশ কর্মান কর্মাণ কর্মান ক্রিয়াম প্রতিহানে তম্বর্ণনায় প্রয়োজনাভাব।

উক্ত মন্দির নির্মাণেই ক্যাতিকাণের মন সতত নির্মিষ্ট এই
এক কথাতেই উচ্চার চরিত্র বর্ণন ক্ষেত্রতা হয়। ক্রিম্ন পরেবানিগণ
হইতে শুথক লাকিতেন না কিন্তু কেবল উক্ত কার্য্য সিদ্ধির নিমিদ
ভাচারদের সহিত সর্বদা আলাপ করিতেন, যদি কথানা জনতাকু
রাজপথে জমণ করিতেন তাহার ভাগপর্য এই নধ রাজত এবং নিপ্র
শিল্পকরের অন্তেমণ করিতেন, অপের অন্ত ভালার করিত্র
বিদ্যান্তর ব্রহ্ম ত কাঞ্চনের বিনিম্বের মর্মার ও অভাভা বিচিত্র প্রজ্ সংগ্রহ করিতেন। তাহার এরপ ইচ্ছার যত্ত্রতে কার্য্য সিন্তি ইইল্
দিনেং ঐ মন্দিরের শোভা ও পরিমাণ রন্ধি ইইলে লাগিল প্রচালার করিত্র প্রান্তর কোন হানি হইল লাগিল প্রচালার বন্ধান ইয়াছিল। চলুপার্মন্ত ধহাবলীর পতিতাংশোলেই মন্দিরের ম্বান ইয়াছিল, ভর্ম ভ্রম্নের মন্ত্রে কোনা
ভালার করিত্র ম্বান ইয়াছিল, ভর্ম ভ্রমের মন্ত্র কর্মারকেরাণ
ভব্ন ভালাররে ক্রিম ইয়াছিল, এবং ক্রিকামের ক্র্মনারকেরাণ গরং কোনং প্রাসাদ নিশূল করিয়াছিল, অতথ্য ক্রীর্ত্তনাম ভূষি মান্স হাসিদ্ধির আকোড্জায় ঐ সকল তথ্য অক্টালিকার অব-গিটাংশ গ্রুত প্রয়োজন মতে প্রস্তুর সংগ্রন করিলেন, ভাগতে অনুশেষে তাঁলার মনির নগরন্থ অভাল প্রাসাদ অপোদা উচ্চত্র চুইয়া অহুপন রূপে বির্যালনান হুইল।

মানিবের পরিমাণ ঘত হাদ্ধি হইল কীন্তিকামের মন ততই তাহাতে আনহাত হাইতে লাগিল ফলতা হিনি ঐ প্রামাদের মনতাতে অতিন্দ্র মৃত্য হাইটোভিলেন, এবং যে দিবস সেই মনিবের মনবের সর ান হাইতে এই হুইল ওদর্বাধি উাহার চল্পুর্য জন্য দিকে প্রায় নিক্ষিণ্ড হুইল না আহতার হাঁহার পাক্ষে রাল ছুত্বাবকে উল্পেল্ড করিয়ার মৃত্য করে নিক্ষিণ্ড থাকাতে জন্য কার্য ক্রিয়ার চল্পুর নিক্ষিণ্ড থাকাতে জন্য কার্য ক্রেয়ার ক্রিয়ার করিয়া কেনি প্রকাশত লাগতে উল্লেখ প্রায় হুইলেও পালাতে উল্লেখ প্রকাশত করিয়ার করিয়া কেনি প্রকাশত ক্রিয়ার মনতম্প্রায় হুইলেও ক্রেয়ার মনতম্প্রায় হুইলেও ক্রেয়ার মনতম্প্রায় হুইলেও ক্রেয়ার মনতম্প্রায় করিয়ার ক্রেয়ার ক্রেয়ার মনতম্প্রায় ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রেয়ার মনতম্বত ক্রেয়ার হুইল্যান্ত ক্রেয়ার ক্রেয়ার প্রকাশত ক্রিয়ার ক্রেয়ার প্রকাশত ক্রিয়ার ক্রেয়ার প্রকাশত ক্রেয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয

পারত কীভিকানের ও প্রাকার মানস অসিদ্ধ ওইতেও তিনি
চুলী চুলীতৈ পারেন নাই, মন্দিরের কোন অংশের পারিবর্ত্তন কোন
মণ্ডার ইন্ধি করিতে অবিরত গুল্প থাকিতেন তথাপি আপদার
দ্বিন্দার করিতে অবিরত গুল্প থাকিতেন তথাপি আপদার
দ্বিন্দার করিতে অবিরত গুল্প থাকিতেন তথাপি আপদার
দ্বিন্দার কালে তাহা অসন্দার করিতে অক্ষম চুইবোন ৷ অপর
দাইগারে মাজার অভিনিকা চুমিসাং চুইবার সভাবনা আছে এই
নিকায় আবের তাকুল চুইলোন ৷ অপর এইরূপ ভারমাতেই
কিবল উল্লির চুলোদের চুইয়াছিল এমত নতে, গুণকালে হর্মে
লিকিত চুইয়া আপানার মন্দিরের, প্রতি মিরীক্ষণ করিতেন তথানও
হার ক্ষ্যাকাশ উৎকণ্ডারপ থেয়ে আছের চুইত। একজন
আ পথিকের বাজে প্রথমতঃ তাহার ছুর্জানার উদ্ধ হর।
দা কীতিকান দেখিবোন যে এক জ্বন্ধ লাক্ষিত্রক ক্ষেত্রণ

মুখে বিষংকাৰ পথান্ত ছবি ক্ষেপ্ করিয়া পরে নেতাৰু ক্ষাই বার ছলে অন্থ দিকে ববি করিতেছে তাহাতে কি কারণ বশতঃ ও ছক্তির এমত কোড়ে হইল ইহার তথ্যান্ত্সন্থান করাতে পাতিন অন্তন্ত লোকার্ভ ইন্থা উত্তর করিল "এই প্রকাশ্ব মন্দির কত দিল পাতি হারি থাকিবে তছিময়ে চিন্তা করিলেছ ?" কাছিকা ওখন অভিনানে পরিপূর্ণ ইইয়া প্রাকৃত্তর করিলেন "কি কত দিল আজিবে? শাঙ্গ নংসর নাত হইলেও ইয়ার বিকৃতি ইইবে না" পাতিক প্রনান বিষয় বদনে প্রনাল কহিল "এই মন্দিরের অহি কারী কত দিন ইহার মঞ্জে বাস করিতে পাইবেস ভাহাও চিন্ত করিতেছি"।

कीर्षिकाम की जेकिन जेवन धाराम मा कहिएक। शरिक ह भाग हहेटक कलाईल हरेन। कामभूत जिमिल कास्य कर विश्ववृश्ये माना क्षकात एकी कर्त्रातेष भएनाभएए लोहा कन्तर मरकात रक रहेश स्थानका वामि दनिरक्य माम्। भक्त वर्ष का সেত্রানে হাম করিছে লায় কাছিলরময় প্রক্ষেত্তন তাহার অভে मायुष्ट कारीत एवं माई ख्यार तिमि क्याँमाउम स ऋक्त मिर्वामन दिशि श्रष्ठात वर्देशाव मञ्जाबना कार्टक वर्षाः 'बालकक. উপান্ত হুইলে মনিতের সচ্ডায় সেই বিধি প্রচারে এক ঘটি शायल दिवाब इहें दि का अध्याद इस शहर अवस्माहें क हरूकेंग़रक टा डेलराएग कहियादिकम छाहा डेव्हां खतरण आहे. তংগ্রন্ত মনোমধ্যে প্রনশ্ত এই প্রকার ছর্তামনার উদয় হ यथा, त्य कार्थ ज्ञानि क्षांख इब्रेग्नाहिमात्र छाहा बहेकरन त्यार आहरू ? काहाद्र कियमरमा ताल एत्रम स्थिति रहेपार कि म बतर अवसूत्र आत्मान फेलन आतात्म फेलान खरकमा स्टेटल मानि তিমি কাঞ্চন প্রিরের ভায় ছব্লিকার নাচে অর্থ সঞ্চিত কর্তি द्रार्थम नाई वदर अधिभवीर अमादिक एर वह कतिवाहिए বটে, বিস্ত প্রাহক লোক উপস্থিত হুইলে তাহারদের শারীরিক কু क तम कर विश्वान मकता देखापि दियात विमालन शही"

কারিয়াও তাহারা অধীশরের ছত কি না এই মুখা বিষয় জিজাসা করিতে বিশারণ হইয়াছিলেন :

একলা এই সকল হর্ডাবনা মনোমধ্যে উণ্ডি ছইলে ক্যান্তিকাম প্রান্তিক্তা করিলেন যে উক্ত মন্দির ভগ্ন করিয়া তংগ্রুশকাঁয় সকল দ্রুগাদি অধীম্বরের ছুড়গানের নথে বিতরণ করিবেন কিন্তু লোক-মুক্তা ও কর্তিমান প্রবন্ধ হওয়াতে সে প্রতিক্তা রক্ষা হইল না। তিনি বিবেচনা করিলেন যে এত দিন পর্যন্ত অধিপ্রান্ত পরিপ্রেম করিয়া ঘাহা প্রস্তুত করিয়াদেন তাহা স্বহস্তে তথ্য করিলে অখ্যান্ত বনিকেরা তাঁহাকে হিন্তার প্রদাম করিবে! সমস্তর সেই উচ্চন প্রামানাভিম্বরে ছহিপাত করিয়া মনের উদ্বেগ ও সন্দেহ ছুর করিওে মুদ্র করিলেন, ফ্লুল্ড এবিষয়ে তাহার মন্ত দিল্ল হুইল, এবং তাঁহার মুদ্র করিলেন, ফ্লুল্ড এবিষয়ে তাহার মন্ত দিল্ল হুইল, এবং তাঁহার মুদ্র করিলেন, ফ্লুল্ড এবিষয়ে তাহার মন্ত দিল্ল হুইল, এবং তাঁহার মুদ্র করিলেন, ফ্লুল্ড ক্টেল, অর্থাণ তিন্তি হুলি এমত নহে বর্গ্ন ভ্রুম্বেক মারাতেও মোন্তিত গুইল, অর্থাণ তিন্তি হুলি এমত নহে বর্গ্ন ভ্রুম্বেক মারাতেও মোন্ত গুইল, অর্থাণ তিন্তি হুলি এমত নহে বর্গ্ন ভ্রুম্বেক মারাতেও মোন্ত গুইল, অর্থাণ তিন্তি হুলি এমত নহে বর্গ্ন ভ্রুম্বেক মারাতেও মোন্ত গুইল, অর্থাণ তিন্তি হুলি এমত নহে হুই ভ্রুম্বেক তাঁহার যালোমন্দির নিস্ত আপ্র্যুগ্র হুইয়া চিত্রতার থাকিবে।

হায়। সংকালে তিনি এই প্রকার অভিযান করিতে চিত্রেন তংকণেই তাহার প্রতি নির্বাদিত হুইবার আচেদা প্রদার হুল্ল লক্তনের রাজ্যন্তা বাহকেরা ক্ষনতিবিলয়ে ঠাহার নিকট উপস্থিত ন্ইল। সম্পুতি অপর ছুই বণিক্নক্ষনের হস্তান্ত প্রকাশ করিছে হুইবে একারণ আশাত্তন তাহার শেষ বিবরণ লিখিতে ক্ষান্ত হুইবো

### ভূতীয় পরিচ্ছেদ।

स्वर्णन मामा वशीय खांशांत जेविश्म श्रामिक खांश्यस्त प्रसाव क्षेण नरः। उरहात जेशरान्यत्र रक्षेण आसाम माज केशांत मात्र क्षिण क्षेण क्षेण्यांत मात्र क्षेण क्षेण्यांत क्षेण क्येण क्षेण क

হতুনন এই মান্য সর্বত্র প্রকাশ ফরিলে রাজ প্রতগণের অপ্রাণিত হইল না, তাহারা একেং জাণিয়া আপনং হণ্ড গুড়ান্ধ নিরেদন প্রকল সকল হাজিকেই মৃত্য হড়ে দান করিছেন কিন্দ্র করিল। ফার্নন সকল হাজিকেই মৃত্য হড়ে দান করিছেন কিন্দ্র করিলাছে তাহার বৈরক্তি কাজিতে লাগিল এবং প্রতিদিন সমডাবে দান বর্লু সম্পন্ন হন্তর্যাহত ক্রমণঃ তাহাতে উৎসাহ কিন্তা আনকের হ্যুস হইল বিশেষতঃ প্রেরাসিগণের অধিকাংশ তাহার ক্রিয়াতে গুটিপাত করিত না অথবা শাই ক্রপে উপোলা করিত অভগ্র তিনি মনে করিলেন যে প্রতগণের দোহ হেছু যশোহন্তির রাধা হইতৈছে কারণ তাহারা দান প্রাণ্ডি মাতে তাহা গোপন করে এবং পাথিমত্বে অভ কোন অক্তির সহিত্য আলাং হইলে প্রকাশ করিতে কুঞ্চিত হয়। তিনি এই প্রতিক্তিক নিবারণ করিবার মাদসে ঘোষণা ক্রিকেন যে যাচকদিগতে

দাধারণের সমক্ষে মূলা পার্ন থলিয়া হস্তে গারণ কঢ়িছা জামন গাঁরতে হইবে এবং মধ্যেং আপানারদের লামণের চেড্ প্রচার দানিতে হঠিবে, তদনস্তর ঘেং শুক্তি এই বাব্যে অসালত ইইক গাগারা তংকাণাং নিরাকৃত হইয়াছিল।

উপরোক্ত উপায়ে তাঁহার যংকিঞ্চিৎ অভীনী সিদ্ধি হইল রাজ

চহণা এ প্রকারে গাঁওবিধি করাতে অনেকে হ-কারণায়সকান
কারতে জাগিল এবং অদর্শনের বজুবর্গ রাল ভবনে বিশ্বল অর্থ

সঞ্চা হইতেছে বলিয়া ভাষার প্রতিষ্ঠা করিল কিন্ত ইহাতেও ওাঁটীর

মনজুরি হলৈ না তিনি এডদেশেফা আবিক প্রতিসাধিত হইতে

সেনা; করিছেন কেননা ভাষার যেরপে এপার্ড ও প্রথাতির
কাভিলার চাহা বিবেচনা করাতে এ প্রকারে ধন প্রেরণ করা

অন্যক্ষত বোধ হইল প্রত্রাং তাহার মনে এরপ ইন্ট্রার উদয়

হইদে লাগিল যে মাকেগণ দাহার মিন্ট্র মধ্যেই চান প্রথাত্ত

হইদা প্রথিবিদ্ধান্ত রূপে গ্রুম কর্ক্ত ও ভাষারদের ধন্ত
বাদের ধনিতে নভোগগুল বিহারি হউক।

নালা গরাণ ভারনায় মথা আছেন এমত স্থায় এক ছারি বিশার বেশ খান্ত পারার নিকট আক্রিটা উপজ্যি ইইল। তথাতি বেশ খান্ত পার্লিটা কালা রাজ পরে ছার্টা ইইলাড়র বিশ্ব পরে বিশ্বনাধীনের মানজ দর্শনোলার সাহিওটা পান্ত বিশ্বনাধীনের সমনজ দর্শনোলার সাহিওটা পান্ত বিশ্বনাধীনের সমনজ দর্শনোলার সাহিওটা পান্ত হালার হালা এক প্রিধান করিয়াছিল এবং হালার হালার এইল প্রিমান করিয়া করিল। সে অন্তর্শনাক সম্বোধন করিয়া করিল প্রিমান করিয়া করিল আছি হাল ভাষার অভিনায় আমি বহু কালারাধি এবনাত আছি হাল ভাষা আমি করিবার নিমিত্ত চেন্টা করিলে এটি করে মাই কিল্ল এক বিমায় তোমার প্রের্লিক করিবার নিমিত্ত চেন্টা করিছে এটি করিয়া বন্ধি ভাষা প্রের্লিক করিয়া বন্ধি ভাষা প্রের্লিক করিয়া বন্ধি ভাষা প্রের্লিক করিয়া বন্ধি ভাষা প্রের্লিক করিয়া বন্ধি ভাষা ভাষার করে করে হালার প্রের্লিক করিয়া বন্ধি ভাষা ভাষার করে করে আম্বান প্রবিক জোনী বন্ধ রূপে বিদায় করা উচিত অভ্যান আমার প্রতি এই কর্মের ভারার্পণ করে।

এই কথার প্রসঞ্জে ছাদশনের রীতি চরিত্র রুপান্তর হইল, তিনিত গলাণ বদিরে লাকপ্রমাণ কার্ছা করিতে লাগিলেন তাহার প্রবিধ একাকার কর্মে নিছকে থাকাতে যে উৎসাহ শৈথিতা হইয়া চিম্ম এইকংগ তাহাও হর হইল। অপর কীজিনাম মন্দির্শিক এইকংগ তাহাও হর হইল। অপর কীজিনাম মন্দির্শিক করতে নগরী মধ্যে যে রূপ ভালাম ইইয়াছিল ম সম্যাবধি রাজভবনে ছত প্রেরুণের উপলক্ষেও তাহাপ কৌতৃক হই মার্গিল এবং হাদেশন অয়ং তত্তপলক্ষে হাতত ক্ষীনাল। ইই রিজনে থিনি যে সকল সমারোহ করিয়াছিলেন ডাহার কেবটা বর্ণনা করিলেই এপুলে পঞ্চাপ্ত হইবে কেননা প্রের্গিস বিশিক্ষে দের সমক্ষে প্রতেক সমারোহ হতে। বোধ হইকেও প্রধান আপার সকলই একরণ ছিল। অভ্যাব গ্রেবার গ্রেণা ছত প্রেন্থ করিয়াছিলেন হাহার বর্ণনা করিলেই উপাধ্যান অব

ছত শ্রেণ প্রেরণাথ দিন ছির চনীলে নকা বুরা বাল পুর নগরীর চহুস্থান্থে ওবিষয়ক ঘোষণা করিল পরে সণিক্ষান্দ ভারি বছু মুখ্য দেখা সংগত করিয়া বাশিন সণি আনিজের নিন্মিন রথেষ্ট রজত কালকু আনোক্ষন করিলেন ৷ এই সকল ছাপা হট্টের মধ্যে সলাধা হওয়াতে তাদ্যান্ত সকলেরি নহা কেছিল হাল ইতিসধ্যে বিধ্যানক্ষন আপান বাটার ছার ক্ষম লাখ্যিই আর করিলেন এবং ইতন্ত ভা অমনকারি যে সকল ছাল সে হানে উপাতি হইন তাহাল্ডিগকে কহিলেন "অভা বিলায় হও, আদিফা দিবল উপাত্তিত হইও"।

कारख निर्मित विदास शाक कारण प्रशाम शिरास वाद्य कोर्क मर्मार्थ का बारासन मजीवन उपिए इस का कार्याजिदसम्ब सम्माद होत् इस्ताट स्वत्यस्य मञ्जूष बास्यः ब्राह्म इस्ताद स्थाप इसे कार्य के कार्यः तारका का स्वाद मंग्रीतम इसेन व्य केटर कारीजा प्रक्रिक कारण के शिरमांच होन् निष्ण नामानक श्रेष कुछ देशहाड खुम्मादन हर मर्माद গ্রমণ ছইয়া বিষয়িচিতে সং আবাসে প্রজাশমন করিল।

সংপরে মধ্যাস্থাকাল আগত হইলে বণিক্দক্ষন অসন্ধিত বেশুলারি,
পার্মিক সমন্তিভাটারে যাচক বর্গের সমক্ষে গিয়া উপস্থিত

এই লেন, সেখানে রাশিং বলত কাজনানি দাতত দ্রেল প্রজাত ছিল

এই প্রেলিক বন্ধা যে কখন দাতার নৈকটা লাগ করিত না

শেও আসিয়া ভাষার সমাপে দভারমান হইল। দিবাবরের

ক্ষিতে তাহারদের সকলের অফল্ত শোলা হইতে লাগিল এবং
তাহারদের উজ্জ্ল পারিভ্য ও স্থ্যায় তুরা এবং স্থাতিলা ভিত
গাত্রম প্রভাকরের তেজে লাক্সভামান হওয়াতে তাহা চইতে দে

লোভিন প্রবাহ নির্গত হইতে লাগিল উপস্থিত ল্যাণা প্রাহা
দিখিয়া সাপুরাদ স্থাতে নডো মণ্ডল বির্লিণ করিল।

কিন্তৃৎক্ষণ পঞ্চন্ত ঐ রূপ ধান হইলে পর বর্গা জনগণকে বন্ধ হইতে কানেশ কৰিল এবং ওদনতর হাদর্শন সমুপাস্থ্য নাজনাদির রাশি হইতে নানা প্রকার মুদ্রা গ্রহণ করিয়া ঐ জনতা দেখা নিংকোশ করিতে লাগিজেন ইয়াতে ছতগণ তাহা সংক্ষাত করিবার চেন্টা করাতে অলক্ষ কোলাহল উপান্থির হইল হলাং ছবিং ছবিণ ও জাখিগ্রন্থ লোক ছাছিকাতে পাতিও হইয়া করাং ছবিং ছবিণ ও জাখিগ্রন্থ লোক ছাছিকাতে পাতিও হইয়া কনতার পানায়তে ছত প্রান্থ হইয়া গোলা। বণিত নাজন কিন্তুল্ব পানায়তে ছত প্রান্থ হইয়া গোলা। বণিত নাজন কিন্তুল্ব পানায়তে ছত প্রান্থ হইয়া হিল পরন্ধ হুলাকে বিশ্বনি ক্ষাত্মধার কিন্তুল্ব ইয়াছিল পরন্ধ হুলাকে বিশ্বনি ক্ষাত্মধার উপাক্ষম ইইয়াছিল পরন্ধ হুলাকে। করা বিশ্বনি ক্ষাত্মধানকৈ কন্ধণার নঞ্জার একেবাবে ছবিছেত হুইয়া গোলা। ক্ষাত্মধান ক্ষাত্মধার ক্যাত্মধার ক্ষাত্মধার ক্যাত্মধার ক্ষাত্মধার ক্ষাত্মধ

भारत माठ्य धन समूमर एस १६०० शास्त्र क्षाणाहरणात निर्दाष्ट्र ज ना, जनसङ्घ अकाश सरण मनात शास्त्रिक्षण श्रदक नामस् बात निर्माण ननी एक्नानरक स्थितिक कृतिल जाहारक से स्नीत थ छक्तिता बुदी समित छारण २ फोनना श्रमक स्था शबन कहार के लिया जन मण्यांक स्वास्त्र के लिया के लिया

क्यी है उन्हल (साक्षणक देव हारण (स्थ्वीनक व्यक्षित न जाहादा नाम कहिए के दिवन मामरमध क्षिणालक कानील मुख के प्रवर्गमं के काहादावह के किया स्थान मार्थ मिना का काहितात अवके दिवसी कहिता हाविद्यान किया के स्थान कर्य मान इतिहासिकान का साम इतिह त्याक मामरहत माधुनात क के स्थान द्यावेंका कार्योग्राम केवा किया किया किया किया माधित्यात कार्याम सम्मान सम्बद्धिक के रामकार का माधित्यान कहिर्द्याम, शास बक्षमी कार्या के रामकार का माधित कम्या क्षमां स्थानका की रामकार का माधित कम्याव क्षमां क्षमां कार्याका की रामकार का

मुखान शांक कीशोन तो व क्रेन त्यम प्रतिश लांक दर्धन होंग अनुवर्ध मिन्न विनिध महीमूक्य जेलाकोकन अन्व कीशांकराम याजा किर्निक्ष महीमूक्य जेलाकोकन अन्व किर्निक्र याजा किर्निक्ष, त्याह १ वक्क कांकन, त्याक्षणां अनुवर्ध विनिध्य कर्मा होत्र विनिध्य कर्मा होत्र किर्निक्ष कांक्र त्याह कर्मा होत्र कर्मान होत्र कांक्र क्षांक्र त्या क्षांक्र मार्थ कर्मान कर्मान कर्मान होत्र क्षांक्र त्या क्षांक्र मार्थ कर्मान महाने क्षांक्र क्षांक्र नाहित्र क्षांक्र मार्थ कर्मान महाने क्षांक्र क्षांक्र नाहित्र क्षांक्र मार्थ कर्मान कर्म कर्मान कर्म कर्मान कर्म कर्मान कर्मान कर्म

स्प्रमंद्ग एउश्वरक धरे श्रकाद्ध (ध्विनक कविष्र) (ध्वद्धक कांद्ररम डाहाएक कांद्ररम ध्वाहरू कांद्ररम डाहाएक कांद्ररम डाहाएक कांद्ररम डाहाएक कांद्ररम कांद्ररम होते कांद्ररम डाहाएक अस्तो मकदमाद प्रभाव कांद्ररम अस्ति मकदमाद प्रभाव कांद्ररम अस्ति अकदमाद प्रभाव कांद्ररम अस्ति अकदमाद प्रभाव कांद्ररम अस्ति अकदमाद कांद्ररम अस्ति अदिवास अदिवास अस्ति अदिवास अदिव

व्यक्तभंत्र केर्राह धन मन्मिल हान व्यक्तम् त्वाभ इहेर्ड मानिक । তিনি এত দান করিতেন তাঁহার কথে রাশিও তদমুসারে ইদ্ধি পাইত। অপর আহু চতুরীয়ের মধ্যে তিনিই যোক সমালে व्यधिक शांतिभक्ष ध्हेरमम, मगरीम् जन्म प्रथम प्रथम प्रतर्भाहे जाहाब ব্রতিয়া করিও েবের্ড ডালের প্রতি হৈর্তি প্রকাশ করিয়াছিল नाष्ट्रे किए एर विवास प्राध्य मस् वस्तीह वृती बादण बीस इक्षाहरू स्विक्क कारमान लाहाइ कर्नेलाइड रहा मारे । जीवाह मन्न अहे व्यवग्र हिन त्य व्यूवी मरधा ठिमि मत्रं श्रूष्ट इडेसारहम अबर छेएक कारण्य त्लामाथ वाहिर्देश क्ष्मम समग्रीम मध्य बुवेद्यादम । अवस्य करान् आश्च धावाप कथन वा व्यक्तांनाम कांशाद हर्भक अपन्त इरेंक, छोरान हिसामान मरमर वो कृष ক্লপ েতে কথানই মজিন হইত মা। তলের তিনি মহে। मन्त्रियमन जिल्लान थाडि एपा व्यक्तम कन्द्रिया काञ्च इति किन्द्र व्यात मिन्न वार्ति मधीब ९ छेफ उत् सारम बक्षायुगान इडेग्रा की छि-न्तरमह सम्बद्ध १४ मिश्राकाल श्रमक एक माज्य कतिरहम क कथम वा काक्रमिक्ष कार्यंत्र मिठान्त वर्गा हुए उर्श्वाहर एकि। थ्यंगाठ मामञ्ज बर्गनाष्ठ क्लोक्काविको इष्टेटन्नं किन्न जवर गरम जालम् एक व्यभीकं खेकि ब्बब्धभाठ किया अहे बक्का कविष्ठम " स्नि बाइन अक मन्दिर आएइ, छाटा धाराएसरण मृह्यसह १६६१६६। नागार्थ अने मन्गाबि जाएंच किंग छाठा मिनालम शास मिना allegate Provide a control of the control

व्यर्थ जानाव जेमावतान वर्ग कता मावताजीक, (कमम) कथि-मात्रत रकाम कथाई स्मितिक मोहे, काकम्बाक नामवा क्रीकिंक्सम्ब

थाय डोटाव ध्रिक किम मा काइन उधिम स्वर्नकतन् पर्यात स्मर्वाप् অথবা ঘণোয়শির নির্মাণে নিরত প্রাকেল নাই 🖰 জলার তীহার यखाव राजमीत्वर आवृष हिन या त्वयया त्वाम वसी जवत होताह ठेभागनास शांकिङ को अवर बाल मूळगनरक स ठीहाउ **चार**ब ट्यांनी-বন্ধ দেখা গাঁইত না ৷ তিমি নিওত ভানে কাল্যালন করিতেন. কথন, কোন কল্মে নিয়ক থাকিতেন ইচা কেচ্ছ জানিত মা, कमारु कलरन्द्र भगई। मरश शिंक (यन विस्कृतीय (नार्य्य शाह বাস উরিজেন। ান সকল হাকি ভারার আগ্রন্ধারণর চরিত্র मणरंग कोष्ट्रमाविके एहेंच छाहाड़ा जायना खेळाडू माम शर्मक विकाय हर्देख लागिन दक्षमा , नालाइरमञ् धान्। ६८ मरनाविधारवन मञ्जाहा जिनि ७.५१९ कार्य मृद्धन माहे (मर्रेस दक्ष विस्ता) कान-न्हारमह रूथ होतार माहगर काहकालय इसेहाहिक (अ **स्ट्रा**क्ट) ধনাতঃ ধনিকদের পর্জী পরিজ্ঞান করিয়া অভিচান চ্চাঁগ লোমেন্ত ার গ্রহ পরিবেটিও ধংসামান্ত নিকেতনে বাদ করিতে উপাজন कविष्णम किन्न कि मानदम अंशकार भिन्नीएक गिर्वाम पार्श कविना हिंदुनम डाहा तक धामगड हिंध मा। (४४२ कहिंड न्थावडा প্রয়ন্ত প্রচেতাং দ্বিদ্র পদ্মীতে থানিতেন অপরে বলিত ক্ষর্যায়ের ঐ রূপ কহিতেন গড়ন্ত ওদনত্তর অবিসংশ্রট নগর্তা महश्च शिकात नारमज्ञ आरम्भायन अरक्वार विक्रम देवेल काहारक তিনি পুর্নপেকা কারে: প্রাক্তর ভাবে ফালচাপন করিতে भागितमा

হাতে তার যে কথক জন যজু ঐ নিছত স্থানে গ্রনাগ্রন করিত তিনি মথোচিত অভ্যর্থনা প্রথক তারারদের আতিথা করিতেন কিন্ন ভারারাথ ওঁলোর জীবন প্রভাতের নিগুচ্ছত্ত্ব অনুসম্বানে সমগ্র হল নাই! তিনি কাল সংকারে উন্নরোত্তর দরিজ হইতে লাগিলেন কেননা কোন অভ্যক্তাতা কারণ বশতঃ ওঁছার ধন রাশি ক্ষয় হইত। ওঁহার নাইতে ঐপত্যের কোন চিত্রু রহিক না, শার্মে যে পরিক্ষম ধার্থ করিতেল তালেকা স্থাক বস্তাদি পরিবাদ করেই অভিযাদান্ত দ্রের আহার করিতে কারিবের হার করিছে এই সকল ভাপার দর্শনে লোক সমূহের চনংকার অন্ধিনার অসম্ভাবনা ছিল মা। অধিকর উহিরে আসনার ভাবাত্তর আশিক আন্তর্গক ইইরাছিল কেন্সা ঠাইরে আচনুও উত্তরোহার হার্সা ইইতে আগিল এবং মুখনওল আনকো পরিপুর্ণ ইইল। বহু সম্ভাতি কালে উহার বদনে বে উৎকণ্ঠা ও বিষাদের চিত্র কঞ্জন প্রকাশ ইইও তাহা পরে সম্পূর্ণ কলে আন্তর্গি ইইল তাহাতে আপাত্তঃ এমত বোধ ইইল যে তিনি ধন সম্পারতে ইলিও না ইইল বরং কোন বিদেশ ভার ইইতে মুক্ত ইইরাছেন মতেও এমত বোধ ইইল যে তিনি ধন সম্পারতে ইলিও না করিল আনকা কি প্রকাশের সভাত। কিন্তু কেই লি বিষয়ের ভারও জিল্লাসা করিলে তিনি কথন ইয়াত হাত্ত কথন বা আপ্রদাণ্ড করিছেন তাহা দেখিয়া কেইও কহিত হাতে কথন বা আপ্রদাণ্ড করিছেন তাহা দেখিয়া কেইও কহিত হাতেভার হাত্ত দর্শনের জন্ত্রন হয় বটে কিন্তু উহার আক্রাণতে গ্রন্থ করিছে আন্তর্গক করেন হয় বটে কিন্তু উহার আক্রাণতে গ্রন্থ করিছে আন্তর্গক করেন

मार्ग मिला मुक्कावरे सिक्का हरेडा असम कवित्र, बाहाताम्य श्राद्धां स्वाद्ध क्यां क्रिका क्रिका क्रिका मार्ग अदि प्राप्त श्राद्ध क्यां स्वाद्ध क्यां क्यां

নগরী লক্ষে উক্ত আপারের প্রচার হয় নাই ৷ ধনি বনিক্ষের মধ্যে কেই ২ শুনিয়াছিল বটে কিন্ত হাহারদের অধিকাংশ প্রেক্সন্ত করে নাই, অপর গাহারা স্বচাকে দেখিয়াছিল তাহারাও কুলংক্ষান্ত ভিজ্ঞার দেখিয়া নিজুর থাকিত কলতঃ এরপ সংগোপন দাছক দেখিয়া তাহারা স্পর্ক বর্ননা করিতে পারিত না কেবল বহুলের পরশার ক্রেণাপকথন করিত অথবা গ্রহেত সিয়া ভ্রিমনের ক্রিণাকরিত এবং মথান একাপ্রচিত্র হইয়া ননে ২ কাবিত যে এই লোক শেনী কোগায় প্রস্তাক্ষিত্র তথন যেন তাহারদের ক্রেরালা ক্রিটার করিত যে "তাহারা পথ ক্রম্ব থাকিলের নগরীর সামান্ত প্রার্থিত হইয়া বহু ছবে গ্রাম ক্রিয়াছে এবং স্ক্রেকার বন সম্পতি দুর্বিত্র করিত হে গ্রাম ক্রিয়াছে এবং স্ক্রেকার করি সামান্ত ক্রিয়ার ক্রমণার ক্রিয়ার স্বার্থিত ক্রিয়ার ক্রমণার ক্রিয়ার ক্রমণার ক্রমণার ক্রান্ত ক্রমণার ক্র

ক্তেতার বিষয়ে এইকণ চিন্তবঞ্জক ইতিহানু কিলিগত গ্রহাতি।
কিন্তু ডাহার এক অংশের বর্ণনা এখনও হয় আই, কবিও আচে

যে যেসকল গ্রন্থি ও অপ্রকাশ্য লোক শ্রেণ্টা দর্শন করিয়াতি।
ভাহারা উক্ত বনিক নন্দনের বাটার নিকটন্ত বর্গে প্রকাগমন করিয়া

দেখিল যে তাঁচার গ্রন্থ ঘারের পথ মুকাফলে পরিপুণ, আচে এবং

যদ্ভিত আলোকে অটালিক। সংশাভিত ব্রুয়াতে আরু মনোহর

বাল্ল ধনি গ্রহর মন্ত হুইতে নির্ভাত হুইয়াতে আরু মনোহর

বাল্ল ধনি গ্রহর মন্ত হুইতে নির্ভাত হুইয়াতে আরু মনোহর

ক্রিলার সংলগ্ধ হুইয়াতিল কৈলে প্রতার কেলেও ভিল না, এবং

ক্রিলার এমত অকোনল বে ভাষাকে নানিনীর স্থাভাবিক নীরবং

বিশ্বত হয় দাবী। ভাষার দুর হুইতে ক্রিলান্তা মন্ত্র করিতে লাগিক

# **ठ**जूर्थ भित्रत्व्हर ।

#### - Aller

श्रुरहो के वीचक ४५ केंद्र अहे करण करनक उत्पन्न शक्त हान यालम कतिरमम । याभमिशिय अर्युर् शाँउ अस किया धन ামাভি প্রাভুর নিমিত্ত অহাক্ষণ দুত্রন ২ অর্থ সঞ্চয় করিতে নিছক ছিলেন। জীবিকাম স্বাব্যে নির্বাসিত হতদের আজ্ঞা প্রাপ্ত ুইলেন ভালতে ভাঁহার মন্দির মাত্র বনারের ময়ে অবলাত अहिंग। द्रानीन दीर्बर नष्ट ग्रन्थ धर्मानि मारमय ७ त्याक প্রেণার সমারোহ করিয়া পৌরজন সমূতের বিপাল ক্ষাইলে बिन्ड हिरमब, रक्षक सरहहा शब्दा सारत यान ग्रामानै श्रेष्ठल वाकिका । वजाज खाढळराह धन धर्म । माहपू पाक प्रकार क्षेत्रिक श्रम कराइन कामिक हरेन व्यवह बाहाहराहर कालाह ए চাইত বিষয়ে পৌর্থণ ন্যালে নালা ভানাই তক বিতর্ক হ**ই**তে मानिक, काकमध्येष्ट्र नवस्मारकर वनान्त्रव हरेराजक हाराव প্রেশংসাবাদক চাট্রকি কার্ব এক দল হিল; কম্পিক আছে 🕬 निवामन काम घठ निकरिदक्षि हुईग्राध्य ऋषि পातक वेलाम्हरू मन्था क्रमन उठरे हिंद रहेगालिया। विश्व आह एव्हेरवर श्रमक उलाइक इंद्रेटन त्वर मिरोत्स विधिव छेद्रिश शक्ति मा. जाङ्ग्र कारण श्रुटबंडे डेफ इड्ड्रिग्रेट्ड। कलावः व्यवाश्वर श्रुतहरू সাবধান করিবের পারবাসিগণের অধিকাংশ ও নগরকে আগ-নারকের নিঞ্জ আত্রম জ্ঞান করিত, তাহারদের রাদ্ধ যেন ভ্রমরুণ। কুল্মটকায় আছ্ম হইয়াছিল ব্ভরাং চিন্তাপকি নগরার দীসং उन्होंने हहा नाहें।

ক্লাঞ্চন প্ৰিয় বছদিবস পৰ্যায় ই মুগরীতে বাস করিতে পাই মাহিকেন কিন্তু কাল সহকারে তাহার কেবল দাসংগ্রেছ ভার গুক্তর হইমাছিক। তিনি একনা গুঞ্জর মূপ রাশির ভারাক্রান্ত হট্টা আর্তনাদ করত পূর্বোক্ত নিম্নত জাকরে গমন করিডেছিকেন নমত সমরে দেই স্থাপুক্ত আনিয়া পথিমত্তে ওঁলার স্থিতি সাক্ষাৎ করিলেন এবং কিয়াংক্ষণ পর্যন্ত ঐ প্লান্ত বনিকের প্রতি ছির ছবি করিয়া দেহ পূর্বক পরিচাস করত তালার ভার চরক করিছে উত্তত হইলেন। এ হন্ধ প্রকাশকে দেখিয়া কামনালিয়ের ক্রুক্ত কারিকেন হে এই হন্ধ থাকার পূর্ব হল্প আয়া নাম কিন্তু পরে কান্দিত জনোবর ক্রুয়ারে তালার মুখ্ পাপু বন কইয়া কোল এবং অন্তঃক্ররের মধ্যে জড়ভা উপস্থিত হইনে চাহাতে নিশ্চয় মুনিকেন যে এই হন্ধপ্রক্র ছায়া নাম নতে প্রকৃত শরীর্থ হইয়া তালার সন্মুখে মন্ধায়নান হইয়াছেন স্থতরাৎ কি অভি-প্রায়ে আলানন ক্রিয়াছিলেন ভার্মিয়ার কিঞ্জিন্ত সংক্রের বহিল না।

অবংশয়ে অন্তন্ত শস্তাকুল প্রয়ক্ত নিজ বাংকার আর্থাবধারণে অসমর্থ চুইয়া ভদ্ধকৈ সংস্থাবন পূর্বক করিলেন "হে অপারিচিড অক্তম, যদি আপানি নির্বাচন বিধিন্ন আন্দেশ আনিয়া থাতেন থবে কিন্তিন কালের নিমিন্দ নোনাকে ক্ষমা করুন। এই মগারী মধ্যে আমার বহুতর ধন সম্পত্তি আহে উঠু গর্মভানি পশুর প্রত্তি ভারা সংগ্রহ করি এবং আমার ছন্তগ্রকে ভান বাশি নইগা সমাজিভার্নী হওলার্থ প্রস্তিত করি, আপানি কিঞ্চিণ কাল বিভানি লয়ন করুন, আনি ভ্রায় গ্রমন করিব"।

ােই অপারিটিত প্রেম ইহা ভানিয়া যে উজর করিকোন তার্চের কাঞ্চনপ্রিয়ের হৃৎপত্ন হিমার হইয়া গোল ৷ তিনি কাঁড়লেন ''হে ববিক এমকল কি অন্থক কথা! সুমি জাম যে আমার সহিত ছাহারা গমন করে তাহারদিগকে একাকী প্রান্থাদ করিতে হয়া উষ্টু ও গার্মত এবং এন ও অন্ রৌজনি জামার সংস্থ বাইকে পাারিকে সাং কৃমি প্রতি যে অর্থ রাজ কর্মতাওপ্রায়ন ক্রিয়াছ ভাষ্টেই একণে ভোমার আপ্রনার হইছে, নগরিতে যাহ। ক্রেনিয়া আছে ভাষ্টেত রঞ্জিত হইলা"।

দর্শণ মধ্যে যে চায়া ছন্ট ইইয়াছিল তারা তথ্য কাজনকিয়ের অবণে আদিল এবং রাল ভবনে অর্থ প্রেরণের কণা
কেবল এক মান বেশ্ব চুটল কেননা তিনি বছ্লাল পর্ছাও
পরিপ্রেম করিয়া যে ধন সম্পত্তি উপাক্ষন করিরাছিলেন
ভাগে সকলি এ অন্তত্ত স্থাকরে রাশক্ষিত ছিল! তিনি বংগুর্থ
দিবস গ্রানা করিয়া দেখিয়াছিলেন সমুদ্য খনই আছে একটা
মুলাও অভ্যা হয় নাই! তাজনপ্রিয়ে এটা সকল চিলা করিয়া
বন্ধের প্রতি বিনীভান্তকরণে ছতিনাগ করিতে লাগিলেন কিয় জদ্দ
ক্ষাকী নহেন ইতা দেখিয়া ওংজনাং অভ্যাক কর্তার চালার ভ্রারা
করিলেন বেলানা রদ্ধের ক্রিণ্ড ভ্রানক ক্ষ্তার ভ্রারা ভ্রার ভ্রারা বির্যালিক, তালার্থের সংগ্রাহ
ভালার চতুশান্ধ বেন্দ্রীন করিয়ালিক, তালার্থের সংগ্রাহ
লোই দক্ষ ছিল এবং ভারার কাজনপ্রিয়কে মন্ত্রের সংগ্রাহ
ক্রিণ্ডেন করিছে উত্তে হুইয়া বেন্দ্র নাল্ড বিস্তাহিত করিব
ভিন্তিয়া

काक्षमध्यम् कारणस्य करास दृश्य अवश् सस्य कारत ३ई१। अहे छेकि कांद्रस्य साशस्य "एवं अव्यक्तित्व "दृश्य, आहा। आधि अक्ष अस्य एकायाद छेवासमा दृश्यका कांद्रसाहितास । कामाद मद्ग्रस्य अर्थ दश्यम मत्राहे स्ट्रिंग आहा, दृश्यिक अर्था-भरतव अक्षम हुउ वर्षे, अखनद ज्यासाद श्रांठ सम्रा क्ष्रांच किया मीज से अर्थ व्यक्षस्य कहें। एवं "।

एक जेवत कतिराजन " वृधि काताश माधरमत शार्थमा कतिरवस ।
काणि करिश्वतत पृष्ठ विष्ठ तिवस्त जावस्त्रमा वस वहन कतिरव कामात मानकं नीहे अवर जामात मरणार्ग वस मानके विकास स्वास शास हत्। सीम दर्शन दर्शन शक्तिमत शिव करें बहुस्मत कात कार्णिक हहेगारह काहाता श्वास रवामात विकर्ण केर्माहक इटेगाहिम स्थि शहात्रिकारक तिक हरक विभाग ना कतिरंता श्राह्मा व चन रमधारम बर्म कविरह माब्रिके व वर्षे भवण बाल कामबल्डिराइ कर्नकुरुद्द क्षिति इस्त कार्या स्विर काम्हद्द्राण क्रमण रहादेख्य अर्थ कराण मुख्य भादण सिवर जानित जाहादा सम्माद स्वेष्ट्र मण कालारम निष्ठात क्रिक्स उश्चम जे ए.१३४ विश्व कार्यभान क्राह्मिक क्षम क्रिक्स विराम् विकास

"জানি কথা অবহণ প্রান্তত ইইব, এই কাপে রাজদত্যণকে। আহ্বাদ করিয়া সকল থদ পশাস্তি দণারীয় প্রাচীবের বাহিবে, প্রেরণ করি, শিত্রান্ত পথেক কএক দক নাল আলাকে ক্ষমা। কর। বুলি নহসা উপাস্থিত হস্তমাকে আগে প্রস্তুত ছঠিতে পারি নাই"।

ইহাতে হল্ধ কুপিও হটিয়া কাৰ্ডেলন " ছুমি কাৰ্ডাল বাক্ত কৰিছেছে, আমি এলুনে চ্ঠাৎ দিণান্তিত হুই নাই, অচ্ছেলং জালান্তৰ কৰিছেছে এবং নগড়ের বহু দূর গইছে আগৈছে পাছিলাহৈছি এবং নগড়ের বহু দূর গইছে আগৈছে পাছিলাহৈছি এবং নগড়ের বহু দূর গইছে আগৈছে পাছিলাই গোলার কালাতে এবং মিন্দু বিকৃত ইউয়াছে ৷ অপার দুমি কালান্ত হে অবীক্তরের শোর দূর উপান্তিত ইউয়ার ইন্তি বই সকলে কাল্ডব ঘটিয়া থাকে ৷ ১৮০না বইলে ভূমি এলং বার অর্থ পারিস্তাগ কার্বার উভ্যা কার্ডাছিলা কিন্তা সে উছাল কালিক ঘাত্র ছিল, যে লোভ অ্যানে ভূমি বন্ধ ছিলা ভালা চ্ট্রেছ ক্ষানিক ঘাত্র ছিল, যে লোভ অ্যানে ভূমি বন্ধ ছিলা ভালা চ্ট্রেছ ক্ষানিক ঘাত্র ছিল, যে লোভ অ্যানে ভূমি বন্ধ ছিলা ভালা চ্ট্রেছ ক্ষান্ত পার নাই আমি এইজনে ক্ষানা করিছেও ভোমার লোভ নাই ভ্রমি এইজনে ক্ষান্ত এ নগর্নাতে বাস করিছেও পাইলেও ভোমার অর্থাসিক্তি গর্ম স্ট্রের মাণ ৷

তথ্য কাঞ্চনপ্রিকের বোগ হউল যে রছের কোন কথাই আগাঁত নহৈ ৷ তিনি অনেক বংগর পর্তত্ত রাজালা বাহকের সমা-গমন প্রত্যাক্তাতে ছিলেন ৷ ঐ বাহক মক্ষাই গতিতে আগ্রমন করাতে আনক মিবস গত হইগাছিল তাহাতে তিনি অর্থ প্রেরণ

## ्तांक मूछ।

ত্বান বাৰ্ষাৰ তাঁই। নিজন উপস্থিত ইইলা কৰা যান্তা নিষাছিল কিন্তু তিনি গ্ৰেক্টই দান অহিবান আনিক মানস নিয়া কথা কানিখ বলিলা তাহানদৈশক নিদাৰ অহিবেন। কান্তা কথা কানিয়াকলাবৰ এই মে অন্নিয়াৰ হজ অন্ প্ৰথাকে লাভান হজ বন্ধ কৰিয়াছিল এ অথল প্ৰথমত আতি কুন্ত ধ কৰুৱ ছিল কিন্তু কাম সহকাৰে নামা শ্লিক্ত তালান হচতা অ ক্ৰান্তা, ঘটকাছিল। ভালনাবড়ায় এক বান নেতন উপ্তম ক্ৰান্তা তালাৰ কানিক প্ৰয়াছিল। জলগোইন নাম্বান প্ৰথম কন্ধ ক্ৰান্তা তালাৰ কানিক প্ৰয়াছিল। জলগোইন নাম্বান ক্ৰান্ত্ৰ প্ৰথম কান্তা ব্যালনাপ্ৰতান ক্ৰিয়াছিল। অন্তৰ্ভন ইন্ত্ৰানিক যে কান্তৰ লাভান ক্ৰান্ত্ৰ প্ৰয়ালনাৰ কৰিয়া নি

े व्य स्थाप्त प्रशिष्ठ वस्त्राहाराधि वेष्ण प्रश्चादाव काइव पुष्ठावाणि स्थाप क्षणप्रक्रिक दूसरम् स्वर्गाताः व प्रश्नान कावारण स्वर्धाः प्रश्नान स्वर्धः व्यक्ति व्यक्ति प्रश्नाम के विश्वास काव स्वर्धितास स्वर्धः (प्राः क्षणांत्रेष्ट व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति प्रश्नाम स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति प्रश्नाम स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व्यक्ति स्वर्धः व स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्य

কামরা সম্পাত কাকন প্রিয়ের বর্ষদার আনত চইছা কীছি।
কামের ইতিনাস শেষ করি। কীপ্রিকাসের বিবরণক এ এপ্র কার্মক এবং বিদাদ শেষক ছিল, আর প্রবে কৈক হইছাছে বে ক্রমবাবহার তাহার প্রয়োগ হয়। পাধ্যকর মানিল দাকাণ ক্রমার কিয়ণ কাল প্রেট তাহার বিশ্বাসন দিবস উপাত্তিক হইছাছিল, বন্ধুবার প্রয়োল স্বান্ধা ক্রমে ক্রিন্তা প্রকাশ ক্রানাইতেলে।

তা হল মধন টাহার নিকট উণ্ছিত চলেল তথন চিনি সংস্থ মধ্যে বলিট ছিলেম : তিনি একটা পুক্রণ বহু ছলা পরিকদ গ্রেছ্য করিয়া অভিযাদ মধ্যে যত হলা বলিটাত মন্দির নির্বাজন করিতে ভিনেন এবং ভাষার ক্রুপাট্য পারিবদ লোক সভ্ত স্ক্রেমান ছিল এবক স্বায় মান্তালা বহুক ভাগ্যেতে কথা নিয়া লানা ননৈ পাদ নিকেশ করিতে লাগিলেন। কার্ছিলার ভারতে কন্ন করিবার অন্যে তিনি তাহার প্রতি অফুলি নির্দেশ ক্রিয়া ছিলেন ভারতে পারিমদগণের মুখ্য স্থান সভরতে ভীর্ছিলার প্রথমতঃ আপন নির্দান দিবন উপস্থিতির বিষয়ে তেওনা প্রাঞ্জ ইতান।

जिमि प्रकायकामत छेलांच्टित विसद्य राज्या लाहेबा याज मिर्फाष् देशित मण्डा हरेगा वरे क्रथ बान्यक करिए साणि-লেদ "ভে অপরিচিত প্রেষ্ট, আমাকে রবা আহ্বান করিচত अनियाण, व्यनीय सनशोदन नाम सर्विटन नाम्य प्राव्याच्या मार्ट. खशरकार, बंदश ज्यामि यमित्र मियांन कनियाहि व्येट शास्त्रेहें निक निनाम करिंद"। পारिसम लोक ममुह गौरांत वांक छमिया मांपुर्वाम कवित्व सार्वित किंग्र ष्टक्ष काहारक काम बाक्त क्षरपात मां विविद्यां निष्णाम खात्व प्रश्नोहणाम धारितान अवर् शहात छै १४ थ्वि कर्रिट निवीकन कृतिहरू गाणिस्तन खहाटङ कीर्णिकास्थन भरताभार किसे साकुन हरेश ४ मगर्व तास तहरामाः अवतन लगर অসপ্রথম ব জ্পিত হুইতে লাশিল অভতর তিনি দ অভত চাত্র श्रुष्टे मल्लेंबर मिड्ड इरेग्ना कालाम ग्रामा गाँकत्राणि हा इहि াতে পুর্বত মনগছির করিবাব বাননা করিবেন কিন্তু তথান জ मन्द्रित त्यम त्याच कुमालक्षेत्राच्छत रहेम ८त१ एत हरेटल लाह महैंग स्वम शहा कर्मां है है हिस्स शहरता है है किए से वारा-নার অমামরী হায়া পাতিত হইয়াহিল ভাহা হইতে এ অক্টালিকা थाउम करा अमाध इरेन।

অনন্তর হন্ধ মৌনত্রত ভক্ষ করিয়া কাইলেন ''হে বনিক্
সততই এই রূপ ঘটনা ইইয়া থাকে । আমার গামনে নগরন্থ
সকল ত্রতই ছায়া রূপে প্রতীয়ুমান ইয়া কিন্ত বুলি এই কাচ
যন্ত প্রত্ন ইহারন্থারা দর্শন করিলে ভোলার নিন্ধিত লন্তির
ক্ষেত্র রূপে ঘট ইইবে'' এই কথা কহিন্তা কাচ যুক্ত প্রদান
ভরিবেন। কীর্তিকান সহসা ভাষা এইও করিয়া কিন্তুংকন পর্যান্ত

কলারা নির্বাহ্ণণ করকে কশিত কলেনর সুইবেন । ও উল্লেখ ইলার্থাক গল ছামতে পাড়িয়া দেল। দেই যতে উল্লেখ প্রকাশ ইলেডর মান্দ্র একটা প্রায় করন ক্ষেত্র আন্ন-বোগ ইইল লোর ই থান্ত পূথ কইনেও ভারাত উপন্ন করকটা কথা খোদিত ছিল এ কাছত নিলি তিনি পাই মণে পাঠ কবিলেন যথা "আছি-ভাষ এক কালে যে পার্ছদ ধারণ করিয়াছিলেন ভারা এই ভালে লাভে"।

তথ্যস্তর হল লেখ প্রেটি হাজ্যনতা কহিলেন ''প্রি প্রি-ক্তি পরিক্ষানর কাধারার্থ এই উচ্চতর মন্তির নির্মাণ করিয়াল, ভামার আপানার নিমিত্ত কর নাই, ডোমার পরিচ্ছেদ নাই প্রকল মারা ক্ষিত কতন পর্যান্ত নগারের মধ্যে জ মানর তলে থাকিবে, কিন্তু ভূলি আপ্রান্ত ভালিয় নির্মাণ কর নাই অভ্যাং ভোমাকে নিরাত্র্য ক্ষেত্রার নিজাসিত হুইয়া ক্ষর্যো শ্রেমণ ক্রিটেঃ ইইবে"।

নাছিল্য এই দল্প বাল গ্রহণ্যক্ত নিশাত নিরাধান হিছিব। দেখিলের নে চাইলাগের লাইল পারিবদের পারিবদের পারিবদের নিরাধান করিব। দেখিলের ভারাক আনলবা অন্তর দকল হন্তালিক। তথান লাইলে আহার আনা হন্তাল হাইলে নার নিরাধান হন্তাল হাইলে নার নিরাধান হন্তাল হাইলে নার নিরাধান হাইল যে নার্বাল করিব। করিব।

ক্ষিত্র সে চিন্তা নিশ্বল হইল ইত্রাং রাজ সদনস্থ স্থাপিকার। প্রকাশ পশ্চালিকি বচন প্রয়োগ পূর্বক স্মতিমান করিবেও বিশ্ব চিন্তুই সে অভিযান অধ্যক্ষি থেক বইন। তিমি করিবেন প্রকাশিকিত অক্তম স্থাপনি প্রকাশকেশ প্রামান করিয়াছিলেন आधि शहा निजास खेटिंगका कि नाहे, आधां ह धन शिह्न निर्देश स्थाधि हमें नाहे, वहर आधि शहा मध्य श्रानंदन विकास कि निर्देश निर्देश कि निर्देश आधि हमें से साहे, वहर आधि शहा मध्य श्रानंदन विकास कि निर्देश आधि स्थाधि खेटिंग आधुन आधि स्थाधि है कि निर्देश निर्देश कि निर्देश

ব্দ্ধ তংশ্রবানস্থ সেই মান্দরের প্রতি অস্থুলি নির্দেশ করিয়া উত্তর করিবেন, " হে कीर्स्टिकांग জোলার ধন রাশির প মাঞ চিছু আছে। যাহারা তোমার নিকট বেতন, কিয়া পুরস্কার প্রাঞ্জ इंदेग्नाह्म **काशां जाहां के अक्रीक्रिका**व करन अधिक कांद्रगा शिथिगारण, कृषि वे शाम ठाहातरमव शस्त्रवा स्तिशी निर्मिष्ठे कतिग्री-किया। अभाव द्वारा एकमन कामाना वाजित ममस्वताद्वार ामात मिक्टे छेशिष्ट्र इंदेग़ाहिल किन्न कृषि ठालाबस्मव शेविहा এও নাই, বর্থ ভাহারা দুর্ল এবং নিরাশ্র হটলেও ভাহার-িগকে আপন ২ সাধ্যাতীত মন্দ্রামি গুরুতর পাঘাণ বাহনী করিয়া-ছিলা তাহাতে আনেকৈ পাহানের ভারে তন্ত্যাণ করিয়াছে এবং প্রাসাদের উপরি ভাগ হইতে প্রস্তর পাতত হওয়াতে কেইং অঞ रीन अथवा हुन रहेशा निशास्त्र, जाहाबस्य क्वाइस्ताकि । रिलाभ जामात्र कर्व शत दश मारे दिनमा मन्दि निर्माद्य कनद्राव जाराजरमञ्जलन भन्न विनीम हरेग्राहिन किन्न बाबहरुकार्यन जार्स-नाम बाबु ध्यारम द्राव करान श्रान्त त्यु मधारम मकरमहै जाहा चंदन कहिता साहरन हाटल।

কার্তিকাম উত্তর করিতে উত্তত হইলেও বাক্য প্রয়োগ করিবার সময় পাইলেম না, অপ্রিচিত গছেব শীতল হত্তে ওাঁহাকে শার্গ করাতে অসিতবর্ণ অনুচরণণ মুচূর্ড মধ্যে ট্রাহার পরিজ্ঞদাদি উৎ-ঘাটন করিয়া প্রহার করিতেই নগর হইতে বহিন্তৃত করিল। কার্তি কামের এই আক্ষিক্ষ প্রয়োগ দেখিয়াও অনেকে বিলাপ করে লাই কেন্দা কেহই ওাঁহার অল্বরাগ করিত না কেবল তাঁহাং ভাষক পারিষদেরা তাঁহার লোহিত পারিক্ষদ একত করিয়া মন্দিরের তত্তে খাল্লম করিল ভারতে কিয়াই কালের মধ্যেই কাঁট পাতলে সে পরিক্ষা ক্ষার্গ করিয়া ফেলিল, স্কারাং ক্ষেম্বা নি মন্দির বহুকান পর্যন্ত অসার স্মরণ চিত্রু রূপে ইহিল।

## शक्य शित्रद्धर।

### ----

সুদর্শন অপ্রক্ত লোওছহতে উক্ত প্রাকারে নির্বাদন বিশ্বিষ্ণ কর্বামা হইতে দেখিয়া তাচারদের হলাতির প্রসংস্ক নানা প্রকাট বালাহারর করিছে করিছেন লালিখেন এবং কালনার বিষয়ে কলিখেন প্রাণাহার করিছে কালিছেন প্রাণাহার করিছে প্রসূত্র আছি ৷ আমার সকল ঘন সম্পত্তি রাজভবনে প্রেরিড ইইয়াছে কথান ভালা প্রস্কৃত্র প্রাণাহার কেবল এই চিন্তা" ৷ অগার তিনি কথান বাজাছেন বাছক গেনেক বিলম্ব করিছেছে বাছক গেনেক বিলম্ব করিছেছে বাছার বল্প নার্লাই আহ্বেস করিছেন কর্ম করিছেছে বাছার ক্ষানাহান করিছেল আহি ভালার পানাহান করিছিল প্রাণাহান প্রানাহান করিছিল করিছেল মহারাহিত অভ্যান করিছা আছি, উপাতি ও ভূইলেট জীল্যকে মহারাহিত অভ্যান করিছে" ৷

অনন্তর ঐ অপরিচিত হাজি বহুকাল বিলয় করিয়া অবশেষে
উপন্থিত চইলেল তাহাতে সুদর্শন যেরপা প্রাণাশান করিয়াতলন ,তাহার বিপানত ঘটনা হউল ৷ তিনি আপানি সাহস
লবিতে উভ্য করিলেও তাঁহার মনোমধ্যে ভয়ের সঞার চইল ৷
কেননা প্রাথমতঃ তাহার চতুম্পাশস্ত বিচিত্র দুরাদি তমোমহ হইয়া
গাল ও তাহা দেখিয়া নানা প্রকার দংশায় উৎপাল হত্যাতে
ক্রয়াকাশ আগুর চইতে লাগিল। অপর দুর ভারিয়া ও
কর্মানা বিষয়ে যে মনোহর ভাবোদ্য হইয়াছিল তাহারও এনেক
রপান্তর হইল। কুল্লাটকায় সাহত হইলে বজেপ পাদ বিজ্ঞেন
পের বৈলক্ষণ্ড হয় সেই রূপ অন্তির গতিতে তিনি রংগায় সাহিত
সাক্ষাং করিতে অগ্রসর ইইলেন এবং সাহস করিয়া হালাহ প্রায়ত বাক্তি বাক্তি প্রায়ত বাক্তি বাক্তি প্রায়ত বাক্তি বাক্তির বাক্তি বাক্ত

ভিনি কহিলেন "আপনি শেষে উপস্থিত ইইলেন, এত বিক্ষ ছংলেই তেওু কি ? আনঃ প্রেরিত ছত লোগী ছারা কি আপানার পাথ করু ইইয়াছিল ? তাহারা আনার রুজত কাজন নত্র প অলাভ পাও তেত লইয়া আপানার নেত অবস্থিরের নিকট গমন করিয়াছে ৷ পাহাতে রাজসদনে আমার নিমিত্ত নিজল অল স্কিও ইইয়াছে অতনৰ আইম সেন্থানে অচিবে গমন করি"।

शहर एक क्षान छेखा ना किस्स जर हिट्ट काला स्थान किर्वाक्षण कांत्रा थाकिरणम। शस्त्र कीवात्रकार जेनस्य मध ভুলে যেন কোন ভয়ানক পদার্থের উদয় হইল ও তাহার ছায়া ষেন অনুষ্ঠানের মানকে ডিমিরারও করিল। অনুষ্ঠান তাছ मध्क 'गामका ७ इंग्रेनन। पूर करिए धन्न करिएनन किन्न छोड़ः নিষ্টো চইল বরং নাটি তরমের আয় ঐ ছ্টাননার আন্দোলন হট্টে লাগিল। অভএৰ তিনি ভাৰশেষে অভিত্ৰ চুইটা প্ৰাৰ্থী. পোকা নিরুৎমার হওত হাছের নিকট এই বান্ত কট্লেন "৫ क्रभिद्धिक श्रव्म, कायाद यस्मामस्या कि निवित करमारक হইতেছে। আপনার আগমন কাল আমি শুভক্ষণ বলিছে: প্রাতীক্ষা করিতে চিলাম, আগানি আমার নিমিপ্ত বেং উদ্যান 🗥 সঞ্জু ক্ষিয়াছেৰ তাহা কোথায় ? আপুনি এমত মনে ক্রিবেন না যে কীতিকাম ও কাঞ্চনপ্রিয়ের আছা আমি আপনার উপলেশ কার্ডন নার্যাছ। জামি রাজছুতগণের মধ্যে রাশীকৃত কর্প বিচয়ণ করিয়াছি, তাহারা প্রতি সপ্তাহে প্রেণীবদ্ধ হইয়া আমার हात इहेरड शमम कांश्राहि व्यक्ति वाजस्यस्य सप्तर्भरमङ् मार्ग हिट्टिस दानिश काक्षम जवर गानिका एक जानिन कारण मर्गम कदिया थाकिरन"।

ছক ইহাতে যে উত্তর করিজেন বোধ হয় তাহা তাঁহার ছণ হুইতে নিংতি ছুইবার ধ্রেই খ্রেশন খয়ং অন্তর করিজেন কলঙঃ আপনার প্রখোর উত্তর আপনি মনে কন্মান করি শেন যথা। "বে বণিক ছুনি যে নগরীতে বাস কর সে হান হইতে অধীমতের আবারী সতি ছর, সেখানে গমন করাও ছকর, প্রবিধ ছঙ বছম্মঞ্জ দেখানি গইয়া নিরাপনে তথায় উপনীত স্ইয়াছেন কটে কিন্তু তাহারনের কাঞ্চনানি ক্রেছের আধারোপানি কেবল এক জ্পা তিহু ছান্তিত আছে অভএব তোমার অর্থাধারের উপর যদি স্বার্থন নাম বিধিত থাকে তবে তাহা প্রিমণ্ডে হৃত হট্যা থাকিলে";

এ হতভাত তাজৈ তথান অব্যান্ত হংথাই চ্ইয়া কৰিল 'কি লাম চুকুই কোনকে সভত প্রেৰণ করিছাছি অবক্ষা তাহারদের কিয়ন্ত্ৰণ করিছাছি অবক্ষা তাহারদের কিয়ন্ত্ৰণ করিছাছে আকি বেলাল কলাল আকি বে মদিলাং না প্রিছিয়া আকে ব্যাণি নগতের সকল কোল লাক। দিবক যে আনার দোম নাই আনি তাহারদিগতে বল্ত প্রেরণ করিছাছি। তাহারদের সাধুবাদে নভামগুল বিধান চুট্যাছিল এবং ছবে আনুরে সর্বন্ধ এইকপ ধনি ভুট্যাছিল এব ক্ষাণান অবিধ্বন ভাবনে এই কর্ম প্রেরণ করিছেল"।

হন্ধ প্রান্ত করিলেন ''ন প্রকার ধনি রাজভানন গার্ছন কথন গানল করে না, নগরায় কোলাহলে ভাষা বিজান ক্রীয়া যায় অথবা কেবল রাজ শুকুগণের কর্ণনত হয়। বে সুন্দান, ছুলি পজা পুরদায়ী ইইয়া ইছাও কি লাম না যে গুণ্টদানীয়ে জর্ম গারণ করিলেই ভুশলে প্রভাৱ ! ভোনার গ্রহের নিক্ষিত্র কোন অভালিংলাতে কর্ম প্রেরণ করিতে হইলে প্রধানত্ত্ব কি ভাষা গারের সম্মুখ্যে বিভার ক্রিয়া আন অথবা বাহকগণকে কি প্রিয়ান্ত সকলের সমক্ষে প্রকাশ করিতে স্থাদেশ করে! সাদ শীহরপ জাদেশ কর ভবে তন্তব্ব ও দস্মুগণ ভাষা ক্ষণত্রণ করিলে ন দোষ ভোমাতেই বার্থিবে।

प्यमस्त्र भूदर्भन निक्रस्त्र इटेशा स्वरूट्य क्षेत्र मात्र करिएणप ा ताल टेमस श्रीयमध्य प्यवस्य कृष्णान्यक वस्त्रत्त्व १४४ इडेटस भग कतिया श्राक्टिया।

हेर्सिंड बुक् केश्रवदंत केहत् कतित्वन "दह मुमर्गम, त्वा-

মার অর্থের কি গতি হইয়াছে তাহা এবণ কর, এই নগরীতে मष्ठ नारम धक मात्राची दान करत स्म व्यवीश्वरहत 👫, उरकर्त्तुक (थिविठ वसी एक जन्मकार दशकाव बारव साञ्जान कविशाहिक তাহার তুর্বাধ্যমতে নির্মল রুলত আক্ষম বিরুপ তৃইয়া পিল্লল **अडिंड कृटिगांब्ह्य कमात्र अवद दाल १३। करदर पूर्व** বস্তুতঃ অতি সামান্য দ্রের প্রেরণ করিণাতিলা, তাহাও অভিপ্রেও चारम अँहरछ मारी, डेक्ट माधावी माहा एक छाता पर महरहत श्रम बर्फन केश्रेट जाश्रात क्रेक्स । एक सार में गणाबार अवन किया हिया অভিযোগ স্থানগানিমুলে এক পদ্ধ অগ্রার হুইতে পারে নাই ৷ ্ এই কথা অবিধানস্তর সুদশ:নর মনে ভয়ানক ভাবা-श्रुत रहेल। त्रश्नमीरशास्त्र चश्चानस्था निर्म रघ स्मार **म्बिदक मगर**तत माथ खमन कडिएन प्रमान करिया प्राचित करें कर -अधियान यात्र रहेन, सहाहा करान मृत्रा अपक उँहात रहिं প্रशत वर्ष्ट्रहरू हम मार्ट कदर किनिय कथान नगात्त्व रादिए वाशावरमत शमम मर्गम कावरड वागम। करवन महि । शाह क्रमनंन ख्यावस्था मोशवी कर्दुक विकादिः प्रयोग धारः (मधिशोहिसम्ब आहोरे कि छ।हात् हुछ शरपत **स्था**र्थ काः ह इंडेल । এট সকল ভারনায় তাঁচার মন্তক স্পায়কান এব इपग्र राधिर रहेरड बालिस उथाणि जादीश्वरत्त्र निकरे धनुसार्यर भाव रहनार्ष श्रमबार वास श्राद्याग कवितन निरुप्त रहेलन न তিনি কহিলেন আমি নিশাল কাঞ্চন সম্পণ করিয়াছিলাম ঘদিও **धाहा भारत विक्ठ इंस्ट म्रह्मशोम इहिंगा बारक उथाह माण्** मान कारन जाहात रथार्थ प्रका हिन । तमेरे व्यर्थत विनिमारी यप्ति वाक्रस्वरम 'कर्म नाउ मा इसेन उटद श्राय मटि जागार-त्वाः श्रीमाम कता कथा इष्ट । काणम्श्रिय कालम धम सम्मा मकिङ केतिए। द्वाशिमाहिस्सन, कीर्सिकाम उन्हादा यरनामिन निर्माण करतन, रक्ष्य प्रामाद अर्थ निदर्शक एम् इरेन एका मनही ग्रंह अथवा वाहिएत जागात काम डेशकांत्र मर्निन मा।"

ছদ্ধ উত্তর করিলেন "হে বণিক্ ভুমি বিলক্ষণ রূপে ভান **श्र**क्षे रहागाँउ यथार्थ श्रद्धार माच हहेगाछ, कमना श्रद्धांत्रः ণণের সাধুবাদ তোঘার পদুখীতে শ্বর্ণ রচির মাত্ত পতিত ইইয়া: हिल ७ जोरावदम्ब क्जज्जों अवर व्यश्यान (जानाव शरफ बस সূল্য চেছের ভায় হইয়াছিল হতেরাং বুমি যত অর্থ দান করিয়া-হিলা তাহা এইরপে অনাপ্রাপ্ত হৃইয়াছ অতএর তুমিও কাঞ্ম-প্রিয়ের ভায় বাণিতা হাবদায়ে ধন সম্পত্তি হাতি করিয়াছ ও कीर्षिकारमञ्जू थाए लागाः ६ धरमामान्तव मगदीव मर्थार्थ निधि व ্ট্যাছে। ঘদিও ভৌমার মন্দির স্বঃস্তে নিশাত দা হট্যা থাকে. তথাচ প্রত্তি বির্বে দ্খায়মান থাকিয়া নিরীক্ষণ করও তথ্তি ष्ट्राच्य थ्रम्मान धनि ध्यवन कविष्ठाहिना। ए हामाद महनामस्य अक्र जय इहेग्राइन एर अज्ञाहराम। निक्टेश्व शास्त्र मिर्मान हरे-তেতে কিন্তু যে মায়াবা তোমার নিকট কথা প্রেরণ করিয়া ছল সেই ঐ রূপ মিশ্যা জ্ঞান উৎপন্ন করিয়া দেয়! সে বাক্তি ভোমার চক্ষুর্ছর ুজ্ঞটিকায়ত প্রায় করিয়াছিল তাহাতে নিকটস্থ পদার্থে তোমার ছুরজা ভাণ হইয়াছে বস্তুতঃ নগরার সীমান্তে কথন ভোমার ছটিপাত রয় নাই তুমি কেবল মগার মখাইত দ্রতাদির মিনিস্ত সতত ক্যঞা ছিলা ্তরাং দ্বার মধ্যেইতোমার অর্থ রাশি ও প্রহানি পাড়িয়া রহিল" !

পরে ইন্দের লৌহ দশুধারি অন্নচরগণ স্বন্ধনিকে গ্রন্থ করিয়া তাহার পরিক্ষণাদি হরণ করিল এবং তিনিও গল্ন কাননে গড়িত হইলেন কিন্তু যাহারা হাঁহার প্রায়ণ দর্শন করিয়াছিল চাহারা উক্ত লৌহ দশু দেখিতে পার নাই এবং যে ভ্রানক শব্দে তাহার প্রতি নির্বাসন বিধি প্রচার হইয়াছিল তাহাও প্রবন্ধ করে নাই স্থতরাং তাহার প্রয়াণের পরেও তাহার ছত প্রোন্ধ গরীয় রাজনার্নে গমনাগ্যন করিতে আগিল এবং পুর্বোক্ষ ্যুবাকক বন্দী চতুর্নিক্ষে যোষণা করিল যে সেই স্থানিক্ষ্যিক্ষর রম্বায় নগরীর মধ্যে আগ্রন্থ প্রায় ইয়াছেন এবং আপ্রাণানস্কর রম্বায় নগরীর মধ্যে আগ্রন্থ প্রায় ইয়াছেন এবং ভারম বিক্ মেরের এইরূপ মুগতি হইরাছিক বিশ্ব এতছণ্নানন্তর ক্ষেত্র কুটার বর্ণন করিকে চিত্রের সন্তোই
হবৈ । আন্তরগের প্রস্থানের হেচেতা বিষয় চিত্তে রোদন করিয়াছিলেন কিন্তু স্থান্দরে নাার বাগাড়গ্বর প্রর্থক থেক প্রকা ভারেন নাই এবং ভালিনি যাতা করিতে প্রস্তুত বলিয়াও দপ্ করেন নাই কেবল বিরুপে বলিয়া অপ্রদাত করিতেন এবং মধ্যে; রাজন্তরন গমন করিবার প্রত্যাশায় থালিতেন। তিনি অন্ধ্রক রাজন্তরার হক অপারিছিত ব্যক্তির আলমন প্রত্যাক্ষ করেচ নিজ কুটা মুসন্তিত করিয়া রাখিতেন বস্তুতঃ প্রয়াণ করেমর সমক্ষেই নেল কাল হর্মন করিতেনেমন। তথাপি রাজাক্রাবাহক উপস্থিত লইতে মধ্যে প্রমুগ্র জ্ঞান অন্ধ্রিল যে স্মুক্তের মধ্যে মুসন্তিত প্রক্রমর সমিল ভ্রমান্তে।

ঐ সময়ে তিনি প্রদোষ কালের সৌন্দর্য। সন্ধর্মন গাঁয় চিছ
রপ্তন করিতেছিলেন। তাঁহার জুত্র গ্রহ কেবল শরং কার্লান কুস্
রিশিন্ধ এক প্রশাধারে শোডিত ছিল তাহার এক পার্থে একা
নামান্ত দীল আলিও লাহাতে অত্যান্ত ভাষার একা পার্থে একা
তিনি একাকি কিয়া আন্কারার্ত ভাষান দিয়েভাবে থাকিতেল ম
কেননা নার্ংকাল উপস্তিত হইবা মাত্র গৃত ছার মুকাকলে
বিরাল্যান হইও এবং পারিমদের রব ভুত্য সুম্পুর বাভ ওাহা
কর্মগান্তর হইত, অপর বিচিত্র গুল্ল আলোকে গৃত্ত উক্তল করিও
এই সকল শুক্তর্য অবলোকন করাতে গাঁহার অন্তাকরণে ক্ল
আলার ভাবোদ্য হইল এবং ইহার অব্যাকিও পরেই মহ্যা
কন্মান্ত হয়েও ও জুরের উল্লেক হইলো বোধ হইল ছেন গৃত্ত ভালি এক লাম্বন ছারাতে তাগ্র হইলো বোধ হইল ছেন গৃত্ত ভিলিত এক লাম্বন ছারাতে তাগ্র হইলোকা ইয়া গোল এব প্রদিশের ক্রোভিল প্রাহ্পকাশিক ক্রান্তর ক্রান্তর্যা গাল এব इन्हें क्षेत्र स्वाविश्व क्षेत्र व्याव क्षेत्रील इन्हें व्य प्रणीन महा कार्तो व्याविश्व क्षेत्र क्षेत

अरत्याम दश्च श्राहम डेंशिटक धरे तीका कहित्यम "द् तिक कि बहेना! कामात हिल्लाहिट्ड धन मन्यकामित हिल्ल मान के ना नित्र हामात शृद्ध होश हहेया ना, आधि होमात सादत तम कित्र प्रथिताम कन्ना मुख्याक कृषिट रिकीर्स खादक, प्रथ्य मुख्या और मश्री भश्याक मन्यकि नह (यह कृष्णामाव अर्थात होशा अर्थ मश्री भश्याक मन्यकि नह (यह कृष्णामाव अर्थात होशा मिन ना हहेगा बहु श्रेतार्थका केन्न्य कृष्णामाव हेशात स्टाह्मा हेस्स महिला क्ष्य महिला क्ष्याक मन्युर्थ कित्रा क्षा मान मुख्या क्ष्य महिला क्ष्याक क्ष्या मान स्टाह्मा क्ष्या विकास क्ष्याक क्ष्याक क्ष्य क्षा क्ष्या क्ष्य সদৃশ। আমিও অসমতকৈ অধীপরের মন্ত ছোল করিয়া দালি কিন্তু কোন হাতি আমার গৃহ স্থারে এই স্কো বৃদ্ধি করিয়াছে আমি তাহা কবেগত মাহি"।

তাঁহার বছন সনান্ত না হুইতেই দর্শণ নান্ত এক ছায়াময়ী ছুত্তির সঞ্চালন ইতি লানিল ও ভাহা হুইতে আশার্টার্টা এই বাণী নিগত হুইল ''আমি পাতিগীনা অনাথা দরিত অবজ্ঞানী নিগত হুইল ''আমি পাতিগীনা অনাথা দরিত অবজ্ঞানী নান্তার করিছে গানিক ছিলাম, একদা কাঞ্মাপ্রিয়ে নিকটি নান্তার। প্রার্থনা করিছে গানন করিছাছিলাম ভারাতে তিনি নাম প্রকার নিকট উপাত্তি হুইয়াছিলাম ভারতে তিনি নাম প্রকার সাজুনাবান্ত প্রেচাল করুত আগার হুল আহিন করিছা ক্রিয়াছিলেন ' তুলি অবান্তে আগার অর্থ আহিন করিছা ক্রিয়াছিলেন ' তুলি অবান্তে আগার আর্থ গ্রহণ কর কেন্দ্রালয়েন ভানার জিপকারার্থ জানার হুলে ভাগে সমর্পণ করিছা ছাছেন'। অপত্র স্ক্তেভার নিকট বিদায় লইনার কালে আনি ক্রিডার ও আনন্দ ভাবে পূর্ব ইংগ্রাহত আগার চক্ষু ছার হুইং আ্রু নিকল্লন ইইয়াছিল অর্থান্ত্র স্বেচভার গ্রহাত্ত্র বিশ্বন্থ স্বেচভার গ্রহাত্ত্র নিক্রা আর্থান্ত ক্রিয়াছেল অর্থান্ত্র স্বেচভার গ্রহাত্ত্র নিক্রা ভারেন ক্রিয়াছেল ভারা অন্যার্থি স্বচেভার গ্রহাত্র নিক্রা প্রান্তির প্রত্তি হার জারির নিক্রা লাহ্বান্ত ক্রিয়াছেল ভারা অন্যার্থি স্বচেভার গ্রহ ছারে নিটা প্রত্তিত্রতে ''।

অমন্তর বৃদ্ধ কহিলেন "এ বিচিত্র হ্মধুর ধনি কোথা হই নির্পত হইতেছে! আমি মিশ্চয় জানি এ নগরীস্থ কোল বাসং একণ বাদ্য লাভি নাই, আমার সমিকর্যে অত্তর বীণা স্থিতিত হইখা ধায় এবং তথ্য স্থমপুর বনও একেকানে কর্ত্তর জালহান হয়। কিন্তু অধুনা যে বাল জানার কর্ণণত হইছে। ইয়ার মোহন শক্তি আছে। আনার আগননে ইহার ধনিতে বে অত্তর মা হইয়া অধিক ঐশ্চের ইতিছে এবং আমার আগনা বাহার জালার ক্রান্ত্র মানুহ ক্রিয়া অধিক ঐশ্চের ইতিছে এবং আমার আগনা

 नामुर्व, इन्होर्नरक बाह्य ३३। अन्। होना जनशत्म एहे नानाहर ালাহৰ অতিক্ষণ করিয়া সতত আগার চিত্ত বুপুন করে, ইতাই ধক্ষতা শক্তিতে সর্প্রকার মানসিফ উদ্বেশ হর হইয়া তিত্ত-াতি ব্য় এবং এছলে দিনং যে মকল ব্যাপার উপদ্বিত हैगारह डाशार जामान जारन रेनलक्ष वर्ग माहि किए औ ানুর ধনি আমার আপান পূহ মধ্যে থাকাতে তংগ্রেরণ আমি रामध बर्द्धांश क्षकाम कदिसांचि वर्दे उथाठ जागाव अग्रह त्यार हैर इरहा है हो क्लाम हत्रमणीत भवत्रक मधीर वत थावि भिम साल । ध्यमस्यत प्रणीन कहेरक ध्यमवीत अक भवा विश्व इंडेल ठाउँ हर নাম হুইল েম ভাষাফুট মহ ভাষাতে এইরূপ বাজা উক্ত हैट्डर अला " कामि वाक, काटक शिक मांक हीन इसहार ह भ्यक्रीय अर्ग कालका अर्थ क शासहर एसवी मध्य गाँवट किल्लाम ह काः काश्विकारमञ् निक्ते माहागा श्रार्थमा कवित्व উतिङ्क ্রাছিলাম, তিনি সামাকে এক গ্রনাণ লিলা থক উল্লোলন ্টাং শাদেশ করিলেন কিন্তু প্রামার ছবল ইন্ত হারে। যে কল্প লাধা না ইওয়াতে উচ্চার দ্তাবর্গ আনাকে গুরাকৃত করতে हरवक यरमार्भामात्र कृष मिचनरवत छेशयुक्त स्राम याहे : ंगरर ७६व सरहजार निक्षे डेलाएँड इंटेबाम डि.० आयारट াৰ ৰসৰ প্ৰদান কৰিয়া কহিলেন 'যে বাটাতে আছি বাস া গ্রহা পিতৃ মাতৃ হাঁম শিশুর আত্রায়ের নিমিওই আলাব ্ত ভত্ত হইয়াছে বৈ অনুভাৱ হুচেতা আনাকে যে আছে াদি প্রদান করিলেন সামি তাহা কইয়া প্রত্ত প্রতি কালে ায়ং কালে অধীমরের নিকট গোপদে গমন করিছাম। করা-ः जामान क्षांत करे जात्मम कृतित्व बहै मकल अत्यव शानित्रक ंख्यां ६ त्यावयं ब्राम चेरयुक्तं मसम् इमग्र टाहारक ममल्य व्य ত এব আমার বিময় ছাই ও উত্তি ভাঁচার বাটাতে নিজ গাঁতরপো ाण दश अवर अवेष्यरवन्त धर् प्राप्त दमहो स्ट चाव ज्यानमाग्रसत 'পাচর র**ইতেছে'** 🏣

গরে বৃদ্ধ কহিলেম "হে হচেতাঃ, জ্যোভিঃ প্রবাহ কোষা এইতে নির্গত হইয়া চহুদিক জ্যোতির্ময় কহিছেছে এ আলোষ জগংহারের মহে, বেহেওু যামিনীর অসিত পরিজ্বে একানে মরগন্ত সকল বর্মাই ভারেত হইয়াছে যাদিও এখানে জাতা ন ইইয়া থাকে তথাপি আমার আগমনের প্রাক্তালে সর্বহান কার্ ঝটিকা ও তিমিরাছেম গ্রিয়া যায়। দেখ আমার ছায়া কালে জ্যোলার হত্ত প্রদীপ সালন হইয়া গ্রীক্ষণে নির্গাণ গ্রাহিছে।

এই দমনে স্তেত্যাং ক্রমশং তথাভিত্ত হুইতে লাণিলেম ওাহার
ময়ম ছণল নিমালিত এবং অর অশাস্ত চ্ইদাছিল তথাপি মধুর
খারে লেষে এই উন্তর করিলেম যথা ''হে শপরিচিত প্রেষ,
আমি এ বিষয়েও অনভিত্ত, এই আলোকের রশি পুর্বারহি
আমার উপ্র পাতত হুইয়াছে একবে আমি মুদ্রিত নয়ংম জায
দর্শন পাই না কিন্ন আগার মনোমন্তে হুল্পড়িত জ্লোতি প্রাক্তেন্
খায় অন্তর্ভ চইতেতে, ইতা বস্তত সভা চইত ক্রেছে, ডথাপি
ক্রান্ধত হুইতে, কিন্তু আমার বিগক্ষণ অন্তর্ভ ক্ইতেতে, ডথাপি
ক্রোন্ধ স্থান হুইতে নির্মাত হুইতেছে তাহা লানি না''!

অনন্তর দর্পণ লাখে আর এক ছায়াম্থা মুর্ভি স্থাণাটাত হণ্ডাবে গুলীয় বার এক শব্দ হইল মথা ''আমি প্লবেৰ বহু সনাবিকারী পালিয়া স্বাহদেক কাল প্রাপন করিজান দিয়ে আনেক দিয়েস পর্যাও পাড়াগ্রন্ত থাকাতে দরিরেও হংথা হইয়া ছিলান তাহাতে জন্পনের ঘোষণা প্রবণ করিয়া তাহার ছারে গমন করিতে উভত হইস্থানিলার কিছু অনতার সমারোগ ও প্রীর ধনি প্রায়ক ভর লক্ষাতে সম্বু চিত হইলাম এবং গাঁরব হইয়া প্রাছম ভাবে আপনার নিভ্তালনে প্রাভাগনন করিলাম পরে মুহেতাঃ অংগ্রুণ করিয়া আলার নিভা উপাছ্ত হতত আলার শুলায়া করিলেন এবং আলার লারিছা। প্র করিয়া তাহিলেন 'ভোগার ভয় নাই, অধন ক্রের আলিয়া সম্ব্রাকাশ্যন প্রবণ ধন প্রচুর নাহে'। অনন্তর আমি ভ্তথান ধাকাশ করাতে তিনি কহিলেন ঐ অর্থের কিয়নংশ আদাকে দান কর্ আমার তথন অরণ হইল হা অক্সন্থ দৈও ও ভূথে এজ চণ্যাতে আমিও অধীমনের ছত স্ইয়াছি অভএব আজি প্রার্থানা। এবং আশার্বাদ সঙ্গে লইয়া ব্রায় রাজ ভবনে গন্ধ করিলান। অধীশার শামার নিকট হইতে তাহা গ্রহণ করিয়া চির বির্থানান দিবাকর রশ্মিকণে অন্তেতার গ্রহোপরি তাহা বর্ষণ করিলেন গ্রহা-ভেট গ্রহমধ্যে এই শুল তেজংগ্রা হৃইয়াছে"।

তদমন্ত্র কিন্তু কান সকলে মৌলাবলছন করিয়া রাইলেন ইডোন মধ্যে হ্চেডাঃ ক্রমশাঃ মুছন্তি প্রাপ্ত হুত্যাতে রন্ধ শনৈঃ ১ নিজান মাণ করিয়া উহোর প্রতি এই বাক্ত প্রচ্যোগ করিবেন "হে শুভার বনিজ, তুমি অর্থ সহকারে উত্তম গুরুসায় করিয়াছ, তুমি আনিজ্ঞা মর্থ কণ্ডাদির বিনিময়ে বিধবার কৃতক্তভা ও পির্ন্ত নাই হীন শিশুর অন্তরাগ এবং দরিম্মের প্রাথনা রূপ পরম পদাও লাভ করিয়াছ। একচনে তোমার প্রয়ান বইতেছে এই সকল পদা পদার্থ তোমার মানে ভাইবে। এই ভামুন্তা মুক্তাফল এবং সুমধুন্ন বাদ্য ও শুন্ত কালোক রমণীয় নগরীর পোপুর পর্যন্ত কোনার সমান্তি-কাহারে ঘাইবে সে স্থানে ইহা অপেকা প্রচ্ছতর জন্মই ও মুনুত্র-তর বাদ্ব। এবং অনিব্রহ্মীয় শুন্ত আলোক মণ্ডল তোমার নিমিছে প্রস্তুত আছে"।

हक अहे कथा कहिएड र शुरुष्ठांत मणुष्थ जाशृत अक नर्शन धाउन करियान, छाउांत रुष्क्र मिछा वर्ण्ड निमीलिए छहेरान स्थ देसकारण ए जानत्म श्राकृत रहेता। अ नर्शन मर्श्य विस्तारण ए जानत्म श्राकृत रहेता। अ नर्शन मर्श्य जिल्ला करियां मर्शनां मर्शनां करियां वर्ण्यां मर्शनां मर्शनां करियां वर्ण्यां माणां छाउन करियां मर्शनां करियां करियां मर्शनां करियां करिया

পর দিবস প্রাক্তকালে নগরে সুভোন্য ত্রীকে রাজ্তর
অবসারি লোকে তাও হৃত্যাতে পূর্ব রীতিকানে কলরতে পূর্ব হৃত্যাতি
কিন্তু স্চেতার ওচ্ছ প্রাণি নির্বাণ ইত্যাতির এবং সেই ক্রমান
করিয়াভিলেন ৷ পথিকদের মুখ্য অক্রমাণ লোক প্র
ক্রমান করিয়াভিলেন ৷ পথিকদের মুখ্য অক্রমাণ লোক প্র
ক্রমান করিয়া প্রশ্নন করিতে লাগিল এবং পিত্র মাত্ত হান লিপ্তগণেক
সুমুদ্র গাঁতে কারণে রুম প্রকাশিত হউল ৷ ওাহারা আপনারেদের
দোলে ক্রিয়াক অবসান হওয়াতে বিলাপ করিল কিন্তু সুচেতার
ক্রম্যাক অবসান হওয়াতে বিলাপ করিল কিন্তু সুচেতার
ক্রম্যাক করিতে তাহারদের হুটেখর পরিবর্তে আনক্রের উদ্ধি
ক্রমান করিবে তাহারা নিলক্ষণ জানিত যে উচ্চার সকল অর্থ রাজ
ক্রমান স্থিত হট্যাতে এবং তিনি সেই আমন্দ নগতে স্থান পাছি
ক্রমান সেথানে নির্বাদন বিধির প্রসম্ম মান্ত নাই ৷

SECOND EDITION -- REFISED

BISHOP'S COLLEGE PRESS.